RNI No. : DELHIN/2016/67585

वर्ष : 4 अंक : 3 www.kheltoday.com ₹ 50 जून 2019

खेल टुडे

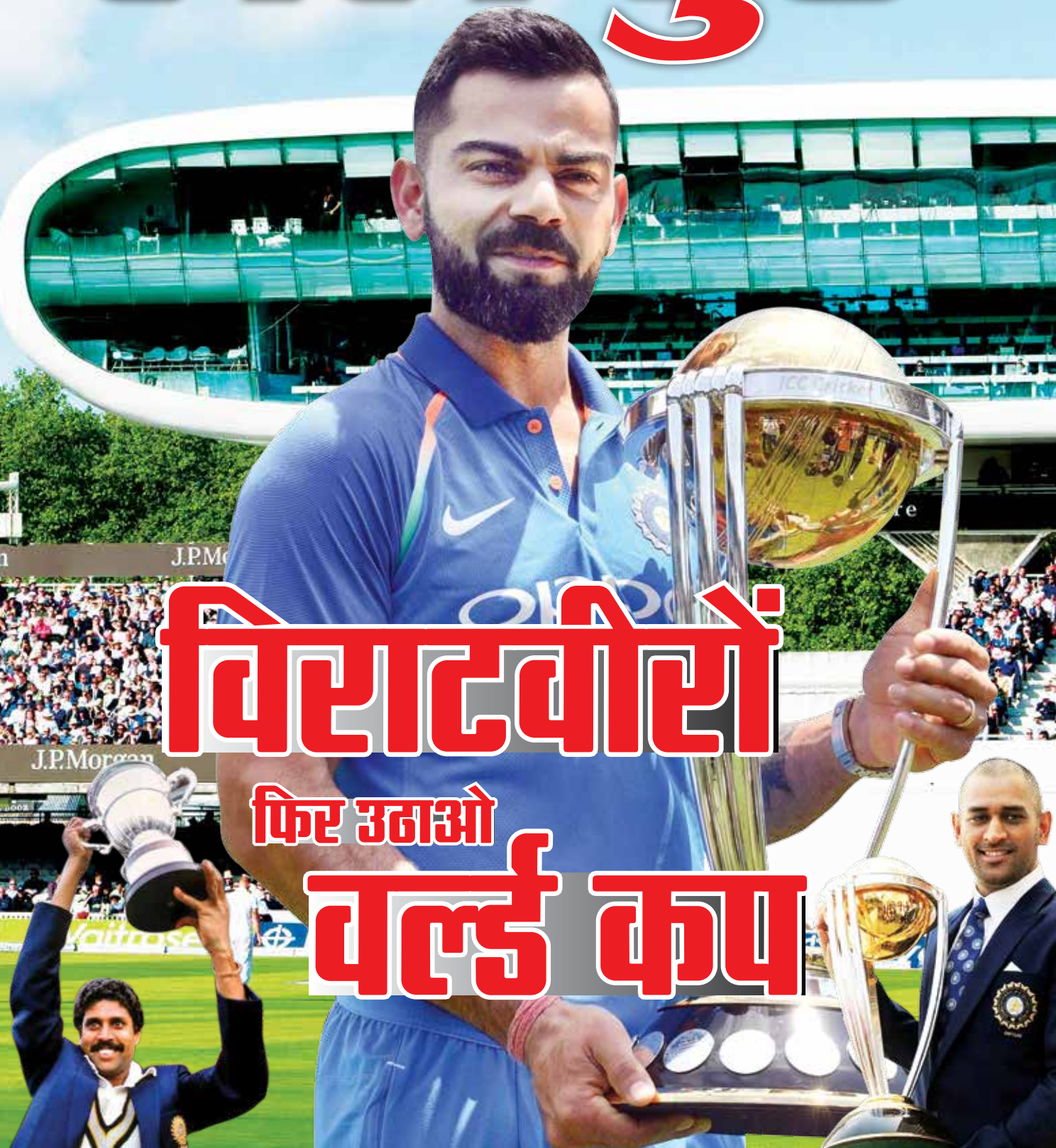

विराटवीरों फिर उठाओ वर्ल्ड कप

खेल मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है कि खेल के बिना जिंदगी अधूरी है

जिंदगी में बड़ा अफसोस रहा मैं देश के लिए नहीं खेल सका

किरेन रिजिजू
(खेल मंत्री)

मंत्री पद की शपथ लेते किरेन रिजिजू

मुझे इस बात का खेद रहता है कि मैं किसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सका। जब मैं खेलता था तो सुविधाएं नहीं होती थीं। हमारे समय में एक गांव से दूसरे गांव के बीच मुकाबला बहुत महत्वपूर्ण होता था। खेल ऐसी चीज है जिसका आप पहले मजा लेंगे तभी आप इसमें औरों से ज्यादा चमक सकते हैं। भारत सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने का काफी काम किया है। संसद में जब खेल मंत्री नहीं होते हैं तो उनकी जगह मुझे ही जवाब देने पड़ते हैं। जो खेलों को जानता है वह दिल से बोलता है। उसे दिक्कत नहीं होती है। जब हमारे वर्तमान खेल मंत्री राज्यवर्द्धन राठौड़ ने एथेंस ओलंपिक में रजत पदक जीता था तो मैं उस समय संसद का सदस्य था और संसद को छोड़कर उन्हें पदक जीतते हुए देखने चला गया था। जब खेलों में भारत का झंडा लहराता है तो बहुत अच्छा लगता है।

जीतना हमारा लक्ष्य है पर खेल की भावना रखना भी जरूरी है। आपको खेलने का मजा लेना चाहिए। मेरी जिंदगी में यह बड़ा अफसोस रहा है कि मैं देश के लिए नहीं खेल सका। जो देश के लिए खेलता है वह बहुत सम्मान की बात है। इसलिए मैं सांसद होकर जब देश के लिए बोलता हूं तो जोर से बोलता हूं। हम जो भी कम करें हमें देश की इज्जत को ध्यान में रखकर करना चाहिए। खिलाड़ियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि कोई ऐसा काम न हो कि देश बदनाम हो जाए। ऐसा न हो कि हमारी टीम और देश की बदनामी हो। इतनी मेहनत के बाद खिलाड़ी बनता है। थोड़ी भी व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो दिक्कत हो सकती है। इसका बहुत ध्यान रखने की जरूरत है।

देश में खेल संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। अब एक चीज हुई है कि खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब के बजाए अब कहा जाता है कि खेलोगे कूदोगे तो बनोगे लाजवाब। खेलो इंडिया बहुत अच्छा चल रहा है। नई संस्कृति विकसित कर रहे हैं। ऐसी खेल नीति बन रही है जिससे स्पोर्टिंग इंडिया बनेगा। स्पोर्टिंग पॉवर होना जरूरी है। ओलंपिक गेम्स पर मैं सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहता हूं। ओलंपिक में अच्छा करके ही आप एक वास्तविक स्पोर्टिंग पॉवर बन सकते हैं। मैंने अपने जन्म से पहले के ओलंपिक खेलों के रिकॉर्ड एकत्रित किए थे। 1948 में हम हॉकी का स्वर्ण जीते थे। 1960 में मिल्खा सिंह चूक गए थे। 1984 के लॉस एंजलिस ओलंपिक में जिस दिन पी टी ऊषा पदक जीतने से चूकी थीं तो मैं ठीक से खाना भी नहीं खा सका था। मुझे ओलंपिक की एक-एक स्पर्धा याद है। खेल के बिना जिंदगी अधूरी है। खेल जिंदगी का अहम हिस्सा है। ■

(ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में 2018 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल के रवाना होने से पूर्व समारोह में कही बातों पर आधारित)

खेलों में भी बहे विकास की गंगा

राकेश थपलियाल

इस बार लोकसभा में तीन नामी खिलाड़ी पहुंचे हैं। पूर्व खेल मंत्री एवं ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ व पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर प्रसून बनर्जी तीसरी बार लोकसभा के सदस्य बने हैं। वह तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राठौड़ को मंत्रीमंडल से बाहर कर पूर्व गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू को खेल मंत्री बनाया है। वह बड़े खेल प्रेमी हैं और पिछली सरकार में खेल मंत्री के संसद में मौजूद न रहने पर वही प्रश्नों के उत्तर देते थे। उन्हें खेलों पर बोलने में मजा भी बढ़ा आता था। अब देखने वाली बात यह होगी कि अपने खेल प्रेम से वह भारतीय खेलों में विकास की गंगा बहाने में कितना योगदान दे पाते हैं। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर क्रिकेटर कीर्ति आजाद, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह और चक्का फेंक एथलीट कृष्णा पूनिया चुनाव हार गईं है ये तीनों ही कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे। इसके अलावा पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान भाईचुंग भूटिया सिक्किम में विधानसभा का चुनाव दो सीटों पर बुरी तरह हार गए हैं। इनके अलावा प्रशासकों में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह भी पहली बार लोकसभा का चुनाव जीते हैं। वह गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर भी हमीरपुर से चुनाव जीते हैं। उन्हें वित्त राज्य मंत्री बनाया गया है। भाजपा के टिकट पर जीते पूर्व निशानेबाज राव इंद्रजीत सिंह भी मंत्री बनाए गए हैं। निशानेबाज और खेल प्रशासक श्याम सिंह यादव उत्तर प्रदेश में जौनपुर सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में जीते हैं।

चुनाव में अनेक खिलाड़ियों ने शिरकत की और कुछ चुनाव जीतने में सफल भी रहे हैं। खिलाड़ियों को हार जीत का अच्छा अनुभव होता है और वे न जीत पर ज्यादा इतराते हैं और हार पर ज्यादा घबराते भी नहीं हैं। भारत में राजनीतिक दल लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में सीट जीतने के लिए खिलाड़ियों की शोहरत का फायदा उठाने हेतु उन्हें टिकट देते रहे हैं लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसके बावजूद खेल किसी भी राजनीतिक दल की वरीयता सूची में शामिल नहीं रहा। चुनाव में राजनीतिक दल धर्म, जाति, अमीरी, गरीबी, बेरोजगारी, नौकरी, व्यापार आदि तमाम मुद्दों की चर्चा करते हैं और इन्हें अपने घोषणा पत्र में भी शामिल करते हैं लेकिन खेल ऐसा विषय है जिसकी न तो राजनीतिक दल चर्चा करते हैं और न ही इसे अपने घोषणा पत्र में प्रमुखता देते हैं। इससे खिलाड़ी और खेल प्रेमी दोनों ही बहुत आहत होते हैं। जी हां, भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में भी खेल का थोड़ा सा जिक्र है बावजूद इसके कि इस दल ने राज्य और केन्द्र सरकार में दो पूर्व खिलाड़ियों को खेल मंत्री बनाया। भारतीय राजनीति के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट ओपनर चेतन चौहान उत्तर प्रदेश सरकार में खेल मंत्री हैं तो ओलंपिक रजत पदक विजेता पूर्व निशानेबाज कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ केन्द्र सरकार में खेल मंत्री बनाए गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिलकर उनका सम्मान करते रहे हैं और आकाशवाणी से प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में अनेक बार खेल और खिलाड़ियों की चर्चा खूब करते रहे हैं लेकिन अपनी किसी भी चुनावी रैली में उन्होंने खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने वाली किसी बड़ी योजना का जिक्र नहीं किया। कुछ-कुछ ऐसा ही हाल कांग्रेस व अन्य दलों का भी रहा। वो भी चुनावी दंगल में खेल को दरकिनार किए हुए हैं। इस बाबत कुछ दिन पूर्व एक बड़े नेता से सवाल किया तो उन्होंने कहा, 'यह सही है कि हम अपनी रैलियों में खेल का जिक्र नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए भी है कि हम देखते हैं कि हमारे संसदीय क्षेत्र में आखिर कितने वोटर खिलाड़ी हैं? इनकी संख्या बहुत कम होती है। लेकिन हम खेल प्रेमी हैं और जब खिलाड़ी जीतकर आते हैं तो हम उनका सम्मान करते हैं।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछली सरकार में राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ को खेल मंत्री बनाकर अपने खेल प्रेम का परिचय दिया था। 'खेल टुडे' ने भी राठौड़ को खेल मंत्री बनाए जाने की मांग को जोर शोर से उठाया था। अब समय आ गया है कि जो काम अधूरे रहे हैं और भाजपा ने आपने घोषणा पत्र में जो वादे किए हैं उन्हें नए खेल मंत्री किरेन रिजिजू बेहतर ढंग से पूरा करें और खेल और खिलाड़ियों के लिए भी विकास की गंगा बहाएं।

राकेश थपलियाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछली सरकार में राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ को खेल मंत्री बनाकर अपने उच्च स्तर के खेल प्रेम का परिचय दिया था। 'खेल टुडे' ने भी राठौड़ को खेल मंत्री बनाए जाने की मांग को जोर शोर से उठाया था। इस बार प्रधानमंत्री ने राठौड़ को मंत्रीमंडल से बाहर कर पूर्व गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू को खेल मंत्री बनाया है। वह बड़े खेल प्रेमी हैं और पिछली सरकार में खेल मंत्री के संसद में मौजूद न रहने पर वही प्रश्नों के उत्तर देते थे। उन्हें खेलों पर बोलने में मजा भी बढ़ा आता था। अब देखने वाली बात यह होगी कि अपने खेल प्रेम से वह भारतीय खेलों में विकास की गंगा बहाने में कितना योगदान दे पाते हैं।

इस अंक में

जून , 2019
वर्ष-4, अंक - 3, मूल्य 50 रुपये

प्रेरणास्त्रोत

स्वर्गीय कमलेश थपलियाल

सलाहकार संपादक
अशोक किंकर

संपादक
राकेश थपलियाल

ग्राफिक्स
डीजीटेक सॉल्यूशंस

संपादकीय कार्यालय
37- बी, शेख सराय, फेज -1,
नई दिल्ली 110017

उत्तर प्रदेश ब्यूरो
प्लॉट नं. 241, सेक्टर 2बी,
वैशाली, गाजियाबाद,
उत्तर प्रदेश-201010

पंजीकृत कार्यालय
130-बी, पॉकेट-ए, दिलशाद गार्डन,
दिल्ली-110095

ई-मेल -kheltoday16@gmail.com
@KhelToday
/Khel Today
फोन : 9810308653, 7011442313
9818015448

किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल दिल्ली ही होगा। इस अंक में प्रकाशित रचनाओं और फोटो के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है।

संपादक, स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश थपलियाल द्वारा खेल टुडे के लिए ग्राफिक प्रिंट, 383 ग्राउंड फ्लोर एफआईई, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली 110092, से मुद्रित एवं 130-बी, पॉकेट-ए, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095 से प्रकाशित।

RNI No. : DELHIN/2016/67585

विराटवीरों फिर उठाओ वर्ल्ड कप 08-24

चुनावी दंगल में भाजपा के खिलाड़ियों ने भी मारी बाजी 06

खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना है : मनु साहनी 25

मुंबई इंडियंस का खिताबी 'चौका' 28

अमरीका में क्रिकेट नई रोशनी और ऑक्सीजन की तलाश में घुटता रहा 40

ला पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप 2019 42

'फिटनेस गली गली' में अपना हुनर दिखाएंगे आम लोग 44

श्रद्धानंद कॉलेज की बादशाहत बरकरार 49

32-38

'अल्टीमेट लीग'
खो खो में दिखेगा रोमांच और रफ्तार का जलवा

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद पर्वतारोही बछेन्द्री पाल को पद्मभूषण से अलंकृत करते हुए।

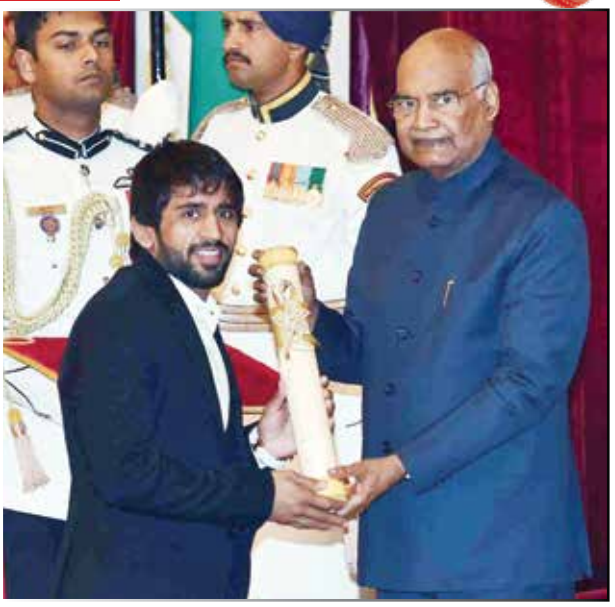

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद पहलवान बजरंग पूनिया को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद शतरंज खिलाड़ी हरिका द्रोणावली को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद बॉस्केटबॉलर प्रशांति सिंह को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद क्रिकेटर गौतम गंभीर को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री को पद्मश्री से अलंकृत करते हुए।

चुनावी दंगल में भाजपा के खिलाड़ियों ने भी मारी बाजी

राकेश थपलियाल

लोकसभा चुनाव में खिलाड़ियों की हार जीत के हिसाब से देखा जाए तो उसमें भी भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मारी है। 17वीं लोकसभा में तीन नामी खिलाड़ी बतौर सदस्य चुन कर आए हैं और इनमे से दो पूर्व खेल मंत्री एवं ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ राजस्थान में जयपुर ग्रामीण सीट से और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे। राठौड़ तो पिछली केन्द्र सरकार में खेल मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री थे। वहीं तृणमूल कांग्रेस पार्टी के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर प्रसून बनर्जी तीसरी बार संसद में पहुंचे हैं। इनके अलावा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह गुजरात में गांधीनगर सीट से पहली बार लोकसभा चुनाव जीते। वह गुजरात क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। उनसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 तक इस संघ के अध्यक्ष थे।

निशानेबाज और खेल प्रशासक श्याम सिंह यादव भी उत्तर प्रदेश में जौनपुर सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में जीते हैं। एक अन्य खेल प्रशासक रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह भाजपा के टिकट पर उत्तर प्रदेश में कैसरगंज सीट से जीते। वह छठी बार सांसद बने हैं।

पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष व निशानेबाज राव इंद्रजीत सिंह हरियाणा में गुरुग्राम सीट से भाजपा के टिकट पर फिर से चुनाव जीते हैं। उन्हें मंत्री बनाया गया है। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर भी भाजपा के टिकट पर हिमाचल में हमीरपुर सीट से चुनाव जीत वित्त राज्य मंत्री बने हैं।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह क्रिकेट खेलते हुए। गुजरात में गांधीनगर सीट से लोकसभा चुनाव जीते।

जीते

अमित शाह : भाजपा के टिकट पर गुजरात की गांधी नगर सीट से पहली बार जीते

राज्यवर्द्धन राठौड़ : भाजपा के टिकट पर राजस्थान जयपुर ग्रामीण सीट से दूसरी बार जीते

गौतम गंभीर : भाजपा के टिकट पर पूर्वी दिल्ली सीट से पहली बार जीते

राव इंद्रजीत सिंह : भाजपा के टिकट पर हरियाणा की गुरुग्राम सीट से दूसरी बार जीते

अनुराग ठाकुर : भाजपा के टिकट पर हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से जीते

प्रसून बनर्जी : तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर पश्चिम बंगाल की हावड़ा सीट से तीसरी बार जीते

श्याम सिंह यादव : बसपा के टिकट पर गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में उप्र की जौनपुर सीट से पहली बार जीते

कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े पूर्व टेस्ट क्रिकेटर क्रिकेटर कीर्ति आजाद, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह और चक्का फेंक एथलीट कृष्णा पूनिया चुनाव हार गए है। इसके अलावा पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान भाईचुंग भूटिया सिक्किम में विधानसभा का चुनाव दो सीटों पर बुरी तरह हार गए हैं। इनकी दोनों सीटों पर जमानत जब्त हुई है। इससे पहले वे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की ओर से लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन दोनों ही चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसी के बाद भूटिया सिक्किम आए और क्षेत्रीय राजनीतिक दल हाम्रो सिक्किम पार्टी की स्थापना की थी।

फुटबॉल आइकन भाईचुंग भूटिया हाम्रो सिक्किम पार्टी (एचएसपी) के कार्यकारी अध्यक्ष हैं लेकिन उनके प्रति राज्य के मतदाताओं ने रुझान नहीं दिखाया। दोनों सीट पर उनकी जमानत जब्त हो गई। भूटिया को तुमिन-लिंगी सीट से उन्हें 234 वोट मिले, जबकि गंगटोक में उनका हाल और बुरा रहा। यहां उन्हें सिर्फ 70 वोट मिले। राजस्थान

राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ और उनकी पत्नी।

गौतम गंभीर और उनकी पत्नी।

बृज भूषण शरण सिंह जीत के बाद अपने बेटे आदित्य के साथ।

श्याम सिंह यादव जीत का प्रमाण पत्र लेते हुए।

प्रसून बनर्जी जीत पर आभार जताते हुए।

में जयपुर ग्रामीण सीट से कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ और पूर्व ओलंपियन चक्काफेंक एथलीट व कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया आमने सामने थे। राठौड़ कांग्रेस की प्रत्याशी पर यहां भारी पड़े। राठौड़ पिछले लोकसभा चुनावों में इसी सीट जीते थे और वह देश के खेल मंत्री भी बने।

भारत को दो-दो बार वर्ल्ड चैंपियन (टी 20 क्रिकेट में 2007 और वनडे में 2011) बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले गौतम गंभीर ने पूर्वी दिल्ली सीट से जीतने में कामयाब रहे। दक्षिणी दिल्ली सीट से ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव हार गए।

भाजपा का साथ छोड़ना पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद को महंगा पड़ गया। झारखंड में धनबाद सीट से कीर्ति आजाद कांग्रेस के टिकट पर भाजपा के पशुपति नाथ सिंह से हार गए। वह बिहार की दरभंगा सीट से भाजपा के टिकट पर दो बार से सांसद थे। ■

हारे

कृष्णा पूनिया
जयपुर ग्रामीण सीट पर कांग्रेस के टिकट पर राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ से हारीं

विजेंदर सिंह
कांग्रेस के टिकट पर दक्षिण दिल्ली सीट से हारे

कीर्ति आजाद
कांग्रेस के टिकट पर झारखंड में धनबाद सीट से हारे

भाईचुंग भूटिया
हाम्रो सिक्किम पार्टी के टिकट पर सिक्किम में दो सीटों से विधान सभा चुनाव हारे

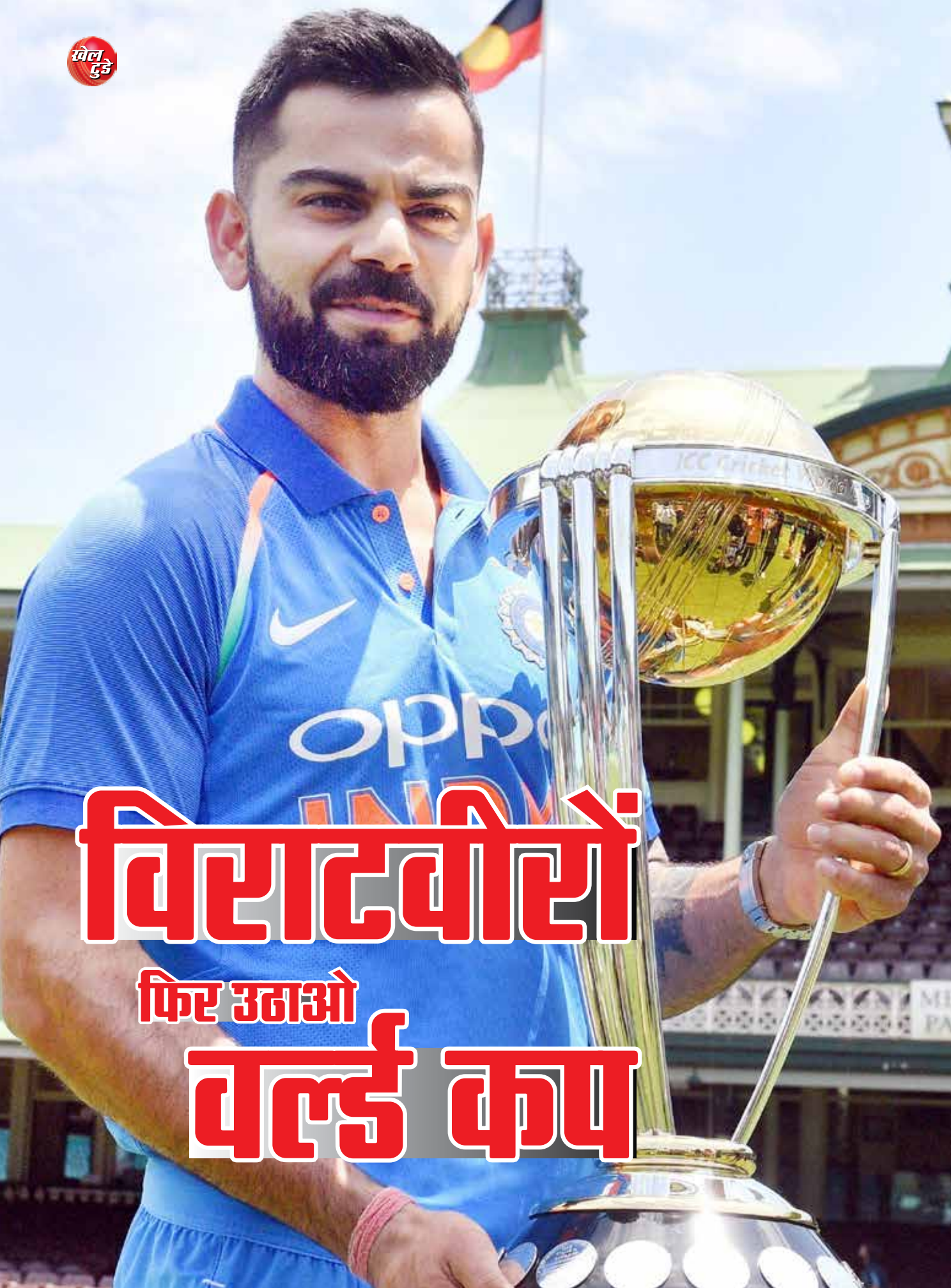

विराटवीरों फिर उठाओ वर्ल्ड कप

राकेश थपलियाल

वर्ल्ड कप! क्रिकेट की दुनिया का ऐसा कप है जिसे पाने के लिए क्रिकेटर अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार रहते हैं। इसे पाकर जो मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलती है उसकी तुलना किसी और क्रिकेट प्रतियोगिता के चैंपियन बनने से नहीं की जा सकती है। यह अतुलनीय है। 30 मई से 14 जुलाई तक इंग्लैंड में खेले जाने वाले वर्ल्ड कप का खुमार पूरी तरह से छाया रहेगा। दुनिया की दस श्रेष्ठ टीमें इसमें शिरकत करेंगी। फॉर्मेट ऐसा रखा गया है कि शुरुआती लीग मुकाबलों में हर टीम एक दूसरे से खेलेगी। इससे कमजोर या कठिन ग्रुप वाला चक्कर ही नहीं है। हर टीम को लीग में नौ मैच खेलने हैं और उसी के आधार पर चार शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में उतरेंगी। इनमें से जो दो टीमें जीतेंगी वो फाइनल में आमने-सामने होंगी। कार्यक्रम लंबा है और टीमों को मिल रहे हैं सिर्फ 15 खिलाड़ी। इस वजह से जो रिजर्व खिलाड़ी चुने जा रहे हैं उनके वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीद भी काफी बनी हुई है। आखिर इस दौरान टीमों में चुने गए 15

10 टीमें

09 मैच हर टीम खेलेगी

04 टॉप टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी

02 टीमें फाइनल में खेलेंगी

वर्ल्ड कप में भारत का प्रदर्शन

1975 ग्रुप स्तर	1979 ग्रुप स्तर	1983 चैंपियन	1987 सेमीफाइनल
1992 ग्रुप स्तर	1996 सेमीफाइनल	1999 सुपर सिक्स	2003 उपविजेता
2007 ग्रुप स्तर	2011 चैंपियन	2015 सेमीफाइनल	

खिलाड़ियों में से एक-दो के चोटिल या बीमार होने की संभावना बनी हुई है। 1996 वर्ल्ड कप के बाद यह पहला मौका है जब वर्ल्ड कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट से खेला जाएगा। इसमें हिस्सा ले रही सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इंग्लैंड का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को भी कम नहीं आंका जा सकता है, इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड भी दावेदारों में शामिल है और वेस्टइंडीज को छुपा रुस्तम माना जा रहा है। पाकिस्तान की टीम बहुत ही खराब फॉर्म के साथ वर्ल्ड कप में उतर रही है। इसके अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें भी उलटफेर कर चमक बिखेरते हुए कई टीमों को चौंका सकती हैं।

कप्तान कोहली का मानना है कि प्रारूप में बदलाव ने इस संस्करण को विश्व कप के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण बना दिया है। विराट कोहली ने इंग्लैंड रवाना होने से पहले टीम इंडिया को चेतावनी दी है। भारतीय टीम की टूर्नामेंट में शुरुआत काफी कठिन होनी है। उसे अपने पहले चार मुकाबले शीर्ष टीमों दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने हैं। विराट कोहली ने अपनी टीम से कहा है कि वह साधारण रहे, लेकिन साथ ही जोर दिया है कि वह पूरे टूर्नामेंट में अपनी ऊर्जा बरकरार रखें।

इस बार भारतीय टीम वर्ल्ड कप की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। विराट कोहली की कप्तानी में टीम नित नई ऊंचाइयों को छूते हुए

अब तक वर्ल्ड कप किस फॉर्मेट में खेले गए

1975 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1979 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1983 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1987 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1992 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1996 वर्ल्ड कप – राउंड रॉबिन और नॉकआउट फॉर्मेट
1999 वर्ल्ड कप – ग्रुप एंड सुपर सिक्स फॉर्मेट
2003 वर्ल्ड कप – ग्रुप एंड सुपर सिक्स फॉर्मेट
2007 वर्ल्ड कप – ग्रुप स्टेज एंड नॉकआउट फॉर्मेट
2011 वर्ल्ड कप – ग्रुप स्टेज एंड नॉकआउट फॉर्मेट
2015 वर्ल्ड कप – ग्रुप स्टेज एंड नॉकआउट फॉर्मेट

आगे बढ़ रही है। भारत आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन है। वनडे रैंकिंग में नंबर 2 और टी20 रैंकिंग में भी नंबर 2 है। विराट कोहली बल्लेबाजों की टेस्ट और वनडे रैंकिंग में नंबर एक पर है। गेंदबाजी में वनडे में जसप्रीत बुमराह नंबर वन है।

आईसीसी अवॉर्ड्स 2018 में क्रिकेटर ऑफ द ईयर, टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर और वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के साथ-साथ वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट और वनडे टीम का कप्तान बनाया जाना ऐसा करिश्मा है जो अभी तक दुनिया का कोई और क्रिकेटर नहीं कर सका है। विराट ने 2018 में एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन बनाने की उपलब्धि भी हासिल की। उन्होंने इस दौरान बीते वर्ष 14 वनडे मैचों में 1,202 रन 6 शतक ठोकते हुए 133.55 की औसत से बनाए हैं। विराट कोहली का कहना है, 'मेरे लिए साल 2018 शानदार बीता। मैंने शायद ऐसी कल्पना भी नहीं की थी। अगर आपके इरादे पोजिटिव हो और आप कड़ी मेहनत करें, तो ऐसे ही परिणाम सामने आते हैं। मुझे लगता है खिलाड़ी का इरादा टीम की बेहतरी के लिए खेलना ही होता है।' विराट की कप्तानी में भारत ने 2008 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता था। उसके बाद 2011 में जब भारत वर्ल्ड चैंपियन बना तो विराट उस टीम का सबसे युवा खिलाड़ी था। वर्ल्ड कप के बारे में अपने अनुभव पर विराट का कहना है, 'जब 2011 में हम वर्ल्ड कप जीते थे तो मैं टीम का सबसे युवा सदस्य था। मैंने सबको वहां भावुक होते देखा था।'

विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम का टेस्ट में विराट रुतबा कायम है। उसने टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन रहते हुए लगातार तीसरी बार आइसीसी टेस्ट गदा उठाने का गौरव हासिल किया है। उसे दस लाख डॉलर का नकद पुरस्कार भी मिलेगा। प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम को नकद पुरस्कार टेस्ट गदा दिया जाता है। विराट ने अप्रैल 2019 में टेस्ट गदा तो उठा ली अब 14 जुलाई 2019 को आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप उठाना है। अगर ऐसा हो पाया तो 'सोने पर सुहागा' वाली कहावत चरितार्थ हो जाएगी। भारत अभी तक दो बार 1983 और 2011 में इस वर्ल्ड कप को उठा चुका है।

आईसीसी की गदा उठाने के बाद विराट कोहली ने कहा 'हम एक बार फिर आइसीसी टेस्ट गदा को जीतकर गर्व महसूस कर रहे है। हमारी टीम हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन हमें टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने से और खुशी मिलती है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट के महत्व को जानते हैं। इस पारूप में वही टीम आगे नंबर वन रह सकती है जो हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करती हो।' अब देखना यही है कि वर्ल्ड कप उठाने के बाद वह क्या कहते हैं? अभी वर्ल्ड कप की टीम चुनी गई है, इसमें ऑलराउंडरों और अनुभवी खिलाड़ियों पर जोर दिया गया है। टीम में युवा जोश और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस टीम के बारे में विराट का कहना है, ' हम उन 15 खिलाड़ियों के साथ बहुत खुश हैं, जो हमारे पास हैं। यह सबसे संतुलित टीम है जिसके बारे में हम सोच सकते थे क्योंकि हर कोई बेहतर स्थिति में है।'

सभी की नजरें इंग्लैंड पर टिकी होंगी क्योंकि उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इयोन मोर्गन के नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम को कई पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ खिताब का प्रबल दावेदार बता चुके हैं। इस समय इंग्लैंड की टीम आईसीसी वन-डे रैंकिंग में नंबर-1 पर काबिज है और पिछले कुछ सालों में उसका 50 ओवर प्रारूप में प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। इंग्लैंड ने साल 2018 की शुरूआत से वन-डे में अन्य टीमों की तुलना में सबसे ज्यादा जीत दर्ज की है। इयोन मोर्गन के नेतृत्व वाली इंग्लैंड ने विश्व कप में शिरकत करने से पहले 24 वन-डे जीते हैं और वह घरेलू परिस्थिति में सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। हाल ही में इंग्लैंड ने पाकिस्तान का पांच मैचों की वन-डे सीरीज में 4-0 से सफाया किया और विरोधी टीमों को चेतावनी दी। बता दें कि इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला वन-डे बारिश के

दुनिया की दस श्रेष्ठ टीमें इसमें शिरकत कर रही हैं। फॉर्मेट ऐसा रखा गया है कि शुरुआती लीग मुकाबलों में हर टीम एक दूसरे से खेलेगी। इससे कमजोर या कठिन ग्रुप वाला चक्कर ही नहीं है। हर टीम को लीग में नौ मैच खेलने हैं और उसी के आधार पर चार शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में उतरेंगी। इनमें से जो दो टीमें जीतेंगी वो फाइनल में आमने-सामने होंगी। कार्यक्रम लंबा है और टीमों को मिल रहे हैं सिर्फ 15 खिलाड़ी। 1996 विश्व कप के बाद यह पहला मौका है जब विश्व कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट से खेला जाएगा। इसमें हिस्सा ले रही सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी।

11 शहरों में मैच खेले जाएंगे

इंग्लैंड के 11 शहरों में विश्व कप के मैच खेले जाएंगे। ये शहर हैं लंदन, ओवल, एजबेस्टन, ट्रेंट ब्रिज, टॉन्टन, हैडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, ब्रिस्टल, साउथम्पटन, कार्डिफ और चेस्टर-ली-स्ट्रीट।

कारण रद्द हो गया था। इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत बल्लेबाजी बन गई है। उसके बल्लेबाजों ने पिछले कुछ समय में निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है। जोस बटलर, जॉनी बेयर्स्टो और जेसन रॉय शानदार फॉर्म में हैं और वह किसी भी गेंदबाज का दिन बिगाड़ने का दम रखते हैं। एलेक्स हेल्स के बिना भी इंग्लिश बल्लेबाजों ने पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच चार मैचों में हर बार मेजबान टीम ने 300 से अधिक रन का स्कोर खड़ा किया। रॉय, बेयर्स्टो और रूट ने 200 से अधिक रन बनाए और विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों का जायजा दिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों जो रूट (84) और कप्तान इयोन मोर्गन (76) ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ पांचवें वन-डे में उम्दा पारियां खेली और इंग्लैंड को 351 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 297 रन बना सकी। इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने भी काफी प्रभावित किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ संपन्न वन-डे सीरीज में शानदार गेंदबाजी की।

सभी की नजरें इंग्लैंड पर टिकी होंगी क्योंकि उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इयोन मोर्गन के नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम को कई पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ खिताब का प्रबल दावेदार बता चुके हैं। इस समय इंग्लैंड की टीम आईसीसी वन-डे रैंकिंग में नंबर-1 पर काबिज है और पिछले कुछ सालों में उसका 50 ओवर प्रारूप में प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

2018 के बाद से इंग्लैंड ने 14वीं बार स्कोरबोर्ड पर 300 से अधिक रन टांगे। पाकिस्तान (8) और वेस्टइंडीज (7) उससे पीछे हैं। आंकड़े दर्शा रहे हैं कि इंग्लैंड की टीम बल्ले से शानदार है और वर्ल्ड कप में कोई उसे हल्के में लेने का जोखिम न उठाएं। इंग्लैंड की टीम अपना दिन होने पर किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकती है या फिर स्कोर खड़ा कर सकती है। उसके खिलाड़ी पूरे जोश के साथ जीत का सपना पूरा करने उतरेंगे।

यह वर्ल्ड कप अलग तरह का होगा। विराट भाग्यशाली हैं कि उनके पास टीम में एक वर्ल्ड कप विजेता कप्तान हैं। ये हैं महेन्द्र सिंह धोनी। वह सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनके क्रिकेटीय दिमाग का लोहा विपक्षी भी मानते हैं। विराट कोहली बल्लेबाजी में सर्वश्रेष्ठ हैं लेकिन उनकी कप्तानी पर उंगलियां उठती रहती हैं। उनकी कप्तानी का लोहा तभी माना जाएगा जब वह वर्ल्ड कप जीतेंगे। उनके पास यह सुनहरा मौका है। इसलिए अब तो यही कहा जा सकता है कि टेस्ट की गदा तो उठा ली, विराटवीरों फिर उठाओ वर्ल्ड कप! ■

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 के लिए 10 टीमें

1 भारत: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, केएल राहुल, विजय शंकर, महेंद्र सिंह धोनी, केदार जाधव, दिनेश कार्तिक, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद शमी।

2 न्यूजीलैंड : केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लाथम, टॉम ब्लंडल, कोलिन मुनरो, ट्रेंट बोल्ट, जिमी नीशाम, कोलिन डि ग्रैंडहोम, हेनरी निकोल्स, लॉकी फुर्गसन, मिशेल सैंटनर, मार्टिन गप्टिल, इश सोढ़ी, मैट हेनरी, टिम साउदी, रोस टेलर।

3 ऑस्ट्रेलिया : आरोन फिंच (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), नाथन कोल्टर नाइल, पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, नाथन लियोन, शॉन मार्श , ग्लेन मैक्सवेल, झाई रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जांपा ।

4 बांग्लादेश : मशरफे मुर्तजा (कप्तान), तमीम इकबाल, महमूदउल्लाह, मुश्फिकुर रहीम, शाकिल अल हसन (उपकप्तान), सौम्य सरकार, लिटन दास, सब्बीर रहमान, मेहंदी हसन मिर्जा, मोहम्मद मिथुन, रुबेल हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन, मोसद्देक हुसैन, अबु जायेद।

5 श्रीलंका: दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), अविष्का फर्नांडो, लहिरु थिरिमने, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजय डिसिल्वा, तिसारा परेरा, इसुरु उडाना, जेफरी वंडर्से, जीवन मेंडिस, मिलिंडा सिरीवडार्ना, लसिथ मलिंगा, सुरंगा लकमल, नुवान प्रदीप।

6 पाकिस्तान : सरफराज अहमद (कप्तान, विकेटकीपर), बाबर आजम, आसिफ अली, फखर जमान, हारिस सोहेल, हसन अली, इमाद वसीम, इमाम-उल-हक, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन, शादाब खान, शाहीन अफरीदी, शोएब मलिक और वहाब रियाज।

7 दक्षिण अफ्रीका : फॉफ डुप्लेसी (कप्तान), जेपी डुमिनी, डेविड मिलर, डेल स्टेन, एंडिले फेहलुकवायो, इमरान ताहिर, कगिसो रबाडा, डवेन प्रीटोरियस, क्विंटन डि कॉक, एरिक नॉर्टजे, लुंगी नगिडी,एडेन मार्करम, रेसी वेनडर ड्युसेन, तबरेज शम्सी।

8 इंग्लैंड : इयोन मॉर्गन (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, जोस बटलर, टॉम कुरैन, लियाम डॉसन,लियाम प्लंकेट, आदिल राशिद, जो रूट, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स, जेम्स विंस, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

9 अफगानिस्तान: गुलबदीन नईब (कप्तान), मोहम्मद शहजाद (विकेटकीपर), नूर अली जादरान, हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, असगर अफगान, हशमतुल्ला शाहिदी, नजीबुल्लाह जादरान, समीउल्लाह शेनवारी, मोहम्मद नबी, राशिद खान, दवालत जादरान, आफताब आलम, हामिद हसन और मुजीब उर रहमान।

10 वेस्टइंडीज: जैसन होल्डर (कप्तान), क्रिस गेल, एविन लुईस, शिमरॉन हेटमायर, शाई होप, निकोलस पूरन, फैबियन एलेन, डैरेन ब्रावो, आंद्रे रसेल, कार्लोस ब्रैथवेट, शेल्डन कॉटरेल, शैनन गैब्रियल, एश्ले नर्स, केमार रोच, ओशाने थॉमस।

चैंपियन टीम को इस बार सबसे बड़ी इनामी राशि

विजेता

40 लाख डॉलर (28.06 करोड़ रुपये)

उपविजेता

20 लाख डॉलर (14.03 करोड़ रुपये)

सेमीफाइनल टीम

08 लाख डॉलर (5.61 करोड़ रुपये)

लीग राउंड से आगे बढ़ने वाली टीम को एक लाख डॉलर (70.17 लाख रुपये)

लीग राउंड के मैच को जीतने वाली हर टीम को 40,000 डॉलर (28.06 लाख रुपये)

5 वर्ल्ड कप खिताब ऑस्ट्रेलिया ने 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में जीते हैं

2 वर्ल्ड कप खिताब वेस्टइंडीज (1975, 1979) और भारत (1983 और 2011) ने जीते हैं

01 वर्ल्ड कप खिताब पाकिस्तान (1992), श्रीलंका (1996) ने अपने नाम किया है

भारतीय क्रिकेट टीम

ICC CRICKET WORLD CUP
ENGLAND & WALES
2019

विराट कोहली (कप्तान)

उम्र : 30 साल।
रोल : शीर्षक्रम बल्लेबाज

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
227	10843	183	59.57	41/49

पिछला वर्ल्ड कप : 2011, 2015

केदार जाधव

उम्र : 34 साल।
रोल : ऑलराउंडर

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50	विकेट	बेस्ट
59	1174	120	43.48	2/5	273	23

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नहीं

हार्दिक पांड्या

उम्र : 25 साल ।
रोल : ऑलराउंडर

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50	विकेट	बेस्ट
45	731	83	29.24	0/4	44	3/31

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नहीं

रोहित शर्मा (उपकप्तान)

उम्र : 31 साल।
रोल : सलामी बल्लेबाज

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
206	8010	264	47.39	22/41

पिछला वर्ल्ड कप : 2015

जसप्रीत बुमराह

उम्र : 25 साल।
रोल : तेज गेंदबाज

मैच	विकेट	औसत	सर्वश्रेष्ठ	पांच विकेट
49	85	22.15	5/27	01

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नहीं

महेन्द्र सिंह धोनी

उम्र : 37 साल ।
रोल : विकेटकीपर एवं बल्लेबाज

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
341	10500	183*	50.72	10/71

आउट किए : 434 । स्टंप/ कैच : 314/ 120

पिछला वर्ल्ड कप : 2007, 2011, 2015

मोहम्मद शमी

उम्र : 28 साल ।
रोल : तेज गेंदबाज

मैच	विकेट	औसत	सर्वश्रेष्ठ	पांच विकेट
63	113	26.11	4/35	00

पिछला वर्ल्ड कप : 2015

शिखर धवन

उम्र : 33 साल।
रोल : सलामी बल्लेबाज

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
128	5355	143	44.62	16/27

पिछला वर्ल्ड कप : 2015

भुवनेश्वर कुमार

उम्र : 29 साल ।
रोल : तेज गेंदबाज

मैच	विकेट	औसत	सर्वश्रेष्ठ	पांच विकेट
105	118	35.66	5/42	01

पिछला वर्ल्ड कप : 2015

केएल राहुल

उम्र : 26 साल।
रोल : सलामी बल्लेबाज

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
14	343	100*	34.30	1/2

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नहीं

रवींद्र जडेजा

उम्र : 30 साल।
रोल : ऑलराउंडर

मैच	रन	औसत	100/50	विकेट
151	2035	29.92	0/10	174

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नही

युजवेंद्र चहल

उम्र : 28 साल।
रोल : लेग स्पिनर

मैच	विकेट	औसत	सर्वश्रेष्ठ	पांच विकेट
41	72	24.61	6/42	02

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नही

दिनेश कार्तिक

उम्र : 33 साल।
विकेट कीपर एवं बल्लेबाज।

मैच	रन	बेस्ट	औसत	100/50
91	1738	79	31.03	00/09

पिछला वर्ल्ड कप : 2007

विजय शंकर

उम्र : 28 साल।
रोल : ऑलराउंडर

मैच	रन	औसत	100/50	विकेट
09	165	33.00	0/0	02

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नही

कुलदीप यादव

उम्र : 24 साल।
रोल : चाइनामैन स्पिनर

मैच	विकेट	औसत	सर्वश्रेष्ठ	पांच विकेट
44	87	21.74	6/25	01

पिछला वर्ल्ड कप : कोई नही

"युवा विकेटकीपर रिषभ पंत के भारत की विश्व कप टीम से बाहर होने से हैरान हूं क्योंकि वह काफी बेहतरीन बल्लेबाजी फॉर्म में हैं और उनके विकेटकीपिंग कौशल में काफी सुधार हो रहा है। यह कदम हैरानी भरा है। पंत की फॉर्म को देखते हुए यह थोड़ा हैरानी भरा है। वह सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि इससे पहले भी काफी बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहा था। वह विकेटकीपिंग में भी काफी सुधार दिखा रहा था। वह शीर्ष छह में बाएं हाथ का बल्लेबाजी विकल्प मुहैया कराता जो गेंदबाजों के खिलाफ काफी अच्छा होता। गेंदबाजों को बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए अपनी लाइन एवं लेंथ में बदलाव करना पड़ता और कप्तान को मैदान में काफी इंतजाम करने होते। किसी दिन सुबह को अगर महेंद्र सिंह धोनी को फ्लू होता है और वह नहीं खेल पाता तो आप ऐसा खिलाड़ी चाहोगे जो बेहतर विकेटकीपर हो। मुझे लगता है कि कार्तिक को किसी और चीज से ज्यादा विकेटकीपिंग कौशल से ही टीम में जगह मिली। तमिलनाडु के आलराउंडर विजय शंकर टीम के लिए काफी उपयोगी खिलाड़ी होंगे। वह ऐसा क्रिकेटर है जिसने पिछले एक साल में काफी सुधार किया है। वह काफी अच्छा बल्लेबाज है, उपयोगी गेंदबाज है और बेहतरीन क्षेत्ररक्षक है।

- सुनील गावस्कर, पूर्व भारतीय कप्तान"

"सपना सच होने जैसा है, बहुत उत्साहित हूं मैं बहुत उत्साहित हूं। इस भारतीय क्रिकेट टीम का लंबे समय से हिस्सा बनकर अच्छा महसूस हो रहा है। मेरे लिए सपने के सच होने जैसा वाला पल है। एक टीम के रूप में हमने कुछ विशेष चीजें की हैं और मैं भी इस यात्रा का हिस्सा रहा हूं। मैं विश्व कप में इस भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनना चाहता था।

- दिनेश कार्तिक, भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज"

"मैं विश्व कप टीम का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं। यह सपने के साकार होने जैसा है। यहां सनराइजर्स हैदराबाद में भी कुछ सदस्य विश्व कप विजेता टीम के हैं और मैंने उनसे इस बारे में यह समझने के लिये बात की है कि विश्व कप टीम में खेलना कैसा लगता है और फिर इसे जीतने का अहसास क्या होता है। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है कि इस तरह के महासमर में दबाव से निपटने के क्या तरीके हैं।

- विजय शंकर, भारतीय ऑलराउंडर"

"मैं भी विश्व कप के लिये चुने जाने से काफी खुश हूं, इंग्लैंड के हालात मेरी मजबूती के अनुरूप होंगे और मैं इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगा। आईपीएल में खेलने से मुझे विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सही मैच अभ्यास मिला है।

- भुवनेश्वर कुमार, भारतीय तेज गेंदबाज"

"भारतीय टीम काफी संतुलित टीम है और खिताब की प्रबल दावेदारों में से एक है। मैंने भुवी और विजय को नेट पर खेलते हुए देखा है। वे अच्छी फार्म में हैं और विश्व कप जैसे मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिये तैयार हैं। मुझे उम्मीद है कि ये टीम की सफलता में काफी बड़ा योगदान देंगे।

- वीवीएस लक्ष्मण, पूर्व भारतीय बल्लेबाज"

विजय शंकर और दिनेश कार्तिक का चयन रहा सुर्खियों में

खेल टुडे ब्यूरो

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया। 30 मई से इंग्लैंड में खेले जाने वाले विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने की। भारतीय टीम की कमान विराट कोहली के हाथों में है। विकेट कीपर दिनेश कार्तिक को अनुभव के आधार पर चुना गया है। युवा खिलाड़ियों में सबसे चौंकाना वाला नाम ऑलराउंडर विजय शंकर का है। एक साल पहले अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में डेब्यू करने वाले शंकर ने बहुत कम वक्त में विश्व कप की टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने पिछले साल 6 मार्च को श्रीलंका के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। महज तीन महीने पहले अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में कदम रखने वाले शंकर ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से अपनी अलग छाप छोड़ी है। उन्होंने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी साल 18 जनवरी को अपने वनडे क्रिकेट करियर का आगाज किया था।

अब तक 9 वनडे मैच खेल चुके शंकर ने पांच पारियों में 33 की औसत और 96.49 के स्ट्राइक रेट से 165 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 46 रन रहा। वहीं गेंदबाजी में भी अपनी काबीलियत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में दिखा चुके हैं। हालांकि अब तक वह सिर्फ 2 विकेट वनडे में ले चुके हैं लेकिन उन्हें मौका इसलिए दिया गया है क्योंकि उनके पास लंबे छक्के मारने की क्षमता है।

विजय शंकर बीच के ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके रन गति को तेज करने में मदद कर सकते हैं। उन्हें टी-20 में भी नंबर चार पर आजमाया गया है वहां भी वो चयनकताओं का भरोसा जीतने में कामयाब रहे। इसी वजह से उन्हें टीम में शामिल किया गया है। वह टीम में हार्दिक पांड्या के बैकअप के रूप में बतौर ऑलराउंडर शामिल किए गए हैं। दोहरी भूमिका ही उन्हें टीम में जगह दिलाने में सबसे बड़ा कारण साबित हुई है। ■

ऋषभ पंत और अंबाती रायुडू बने स्टैंडबाई

खेल टुडे ब्यूरो

वर्ल्ड कप की 15 सदस्यीय टीम में जगह न पाने वाले युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत और बल्लेबाज अंबाती रायुडू को तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ वर्ल्ड कप के लिए स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है।

भारतीय टीम के घोषित खिलाड़ियों में से अगर कोई खिलाड़ी चोटिल होते हैं तो इन्हें टीम में शामिल होने का मौका मिल सकता है। 30 मई से शुरू हो रहे क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चयनित 15 खिलाड़ियों में रायुडू और पंत को नहीं रखे जाने पर मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। सुनिल गावस्कर ने पंत के बाहर रहने पर हैरानी जताई थी तो रायुडू के बाहर रहने पर गौतम गंभीर ने सवाल खड़ा किया था। बीसीसीआई के पास विकल्प हैं कि वह इन तीनों के अलावा किसी को भी शामिल कर सकती है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा,'आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी की तरह हम लोगों ने तीन अतिरिक्त खिलाड़ी रखे हैं। ऋषभ पंत पहले और रायडू दूसरे स्टैंडबाई रखे गए हैं जबकि नवदीप गेंदबाजों की सूची में स्टैंडबाई हैं। अगर कोई जख़्मी होता है तो इन तीनों खिलाड़ियों को भेजा जाएगा।'

वर्ल्ड कप के लिए 16 सदस्यीय टीम के पक्ष में थे कोच शास्त्री

खेल टुडे ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम ही चुनने की अनुमति थी, अन्यथा वह 16 सदस्यीय टीम को चुनना पसंद करते। शास्त्री ने कहा कि जो खिलाड़ी वर्ल्ड कप टीम में शामिल नहीं हो सके हैं, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता वाली सीनियर चयन समिति ने 30 मई से इंग्लैंड एंड वेल्स में शुरू होने वाले आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए नियम के अनुसार 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। शास्त्री ने कहा 'मैं टीम चयन मामलों में पड़ना नहीं चाहता। अगर हमारी कोई राय होती है तो हम इसे कप्तान को बताते हैं। जब आपको 15 खिलाड़ियों का ही चयन करना है तो किसी न किसी का बाहर होना स्वभाविक है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं 16 खिलाड़ियों को शामिल करना चाहता था।

हमने आईसीसी को भी इस बारे में बताया था कि जब टूर्नामेंट इतना लंबा हो तो 16 खिलाड़ियों को रखना सही होगा। लेकिन आदेश 15 खिलाड़ियों का ही था।' शास्त्री ने कहा कि जो खिलाड़ी 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं हो पाए हैं उन्हें निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि आगे अभी और मौके मिलेंगे। कोच ने कहा, 'जो इसमें जगह नहीं बना सके, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। यह काफी अजीब सा खेल है। इसमें खिलाड़ी चोटिल हो सकते हैं, इसलिए शायद आपको भी नहीं पता कि आपका भी बुलावा आ सकता है।'

कप्तान विराट कोहली ने कुछ दिन पहले अंबाती रायडू को वर्ल्ड कप में नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए उपयुक्त बताया था। लेकिन हरफनमौला खिलाड़ी विजय शंकर को इस स्थान के लिए वर्ल्ड कप टीम में चुना गया है।

भारतीय कोच की नजर में इंग्लैंड प्रबल दावेदार

भारतीय कोच ने वर्ल्ड कप के लिए मेजबान इंग्लैंड की टीम को खिताब का प्रबल दावेदर बताया। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड पिछले दो वर्षो से लगातार शानदार प्रदर्शन करती आ रही है। उनके पास बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनकी टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में गहराई है। घरेलू मैदान पर खेलने के चलते वे प्रबल दावेदार होंगे।' शास्त्री ने साथ ही कहा, 'हालांकि, कई ऐसी टीमें हैं जो किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सकती हैं। वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में आपको अपने हर मैच में अपने खेल में शीर्ष पर होना होगा।'

शास्त्री ने इस पर कहा, 'परिस्थितियों और प्रतिद्वंद्वी को देखते हुए नंबर-4 का स्थान पूरी तरह से लचीला है। मैं कहूंगा कि शीर्ष तीन के बाद आप बहुत लचीले हो सकते हैं।' ■

चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट में उम्मीद है हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलेंगे

विराट कोहली
(भारतीय कप्तान)

टूर्नामेंट के फॉर्मेट को देखते हुए सबसे चुनौतीपूर्ण वर्ल्ड कप होना है। आप अन्य सभी टीमों को देखें, तो सभी काफी दमदार हैं। अफगानिस्तान जैसी टीम ने भी पिछले चार साल में काफी प्रगति की है। हर मैच में हमें अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ खेलना होगा। यह अलग चुनौती होगी, जिसमें हर किसी को ढलना होगा।
हमारे शुरुआती चार मैच काफी कड़े हैं। पहले चार मैच शीर्ष टीमों दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने हैं। हमारे पास अति आत्मविश्वास रखने का कोई मौका नहीं है और इसलिए यह वर्ल्ड कप है। आपको पहले ही दिन से मैच के लिए तैयार रहना चुनौती होगी। विश्व के शीर्ष फुटबॉल क्लबों को देखिए, वह पहले ही दिन से अगले तीन-चार महीनों के लिए पूरे जोश के साथ तैयार रहते हैं। फिर चाहे वो प्रीमियर लीग हो या फिर ला लीगा। हमारी एकमात्र उम्मीद है कि अच्छा क्रिकेट खेले और इसी पर पूरा ध्यान होगा।

वर्ल्ड कप में दवाब को हैंडल करना सबसे बड़ी बात होती है और यह मैच में प्लेइंग कंडीशन से ज्यादा अहम होता है। भारतीय क्रिकेट टीम का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका से है और विश्व विजेता की दिशा में टीम इंडिया 5 जून को जीत से शुरूआत करना चाहेगी। हमारे सभी गेंदबाज फिट हैं और मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। टूर्नामेंट के फॉर्मेट को देखते हुए सबसे चुनौतीपूर्ण विश्व कप होना है। आप अन्य सभी टीमों को देखें, तो सभी काफी दमदार हैं। अफगानिस्तान जैसी टीम ने भी पिछले चार साल में काफी प्रगति की है। हर मैच में हमें अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ खेलना होगा। यह अलग चुनौती होगी, जिसमें हर किसी को ढलना होगा।

हमारे शुरुआती चार मुकाबले काफी कड़े हैं। हमें अपने पहले चार मुकाबले शीर्ष टीमों दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलने हैं। हमारे पास अति आत्मविश्वास रखने का कोई मौका नहीं है और इसलिए यह विश्व कप है। आपको पहले ही दिन से मैच के लिए तैयार रहना होगा और यह चुनौती होगी। विश्व के शीर्ष फुटबॉल क्लबों को देखिए, वह पहले ही दिन से अगले तीन-चार महीनों के लिए पूरे जोश के साथ तैयार रहते हैं। फिर चाहे वो प्रीमियर लीग हो या फिर ला लीगा। हमारी एकमात्र उम्मीद है कि अच्छा क्रिकेट खेले और इसी पर हमारा पूरा ध्यान होगा। हम विश्व कप खेलने जा रहे हैं और काफी संतुलित महसूस कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलेंगे।

भारतीय टीम 25 और 28 मई को न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम दो सप्ताह पहले ही इंग्लैंड पहुंच रही है, परिस्थितियों को समझने के लिए जल्दी पहुंचना अच्छा है। जगह पर जल्दी पहुंचना अच्छा है। आपको परिस्थिति को समझने में आसानी होती है। इंग्लैंड में सफेद गेंद से क्रिकेट खेलना, परिस्थितियां लाल गेंद की तुलना से अलग नहीं होती। हम उन 15 खिलाड़ियों के साथ बहुत खुश हैं, जो हमारे पास हैं। यह सबसे संतुलित टीम है जिसके बारे में हम सोच सकते थे क्योंकि हर कोई बेहतर स्थिति में है।

विजय शंकर टीम के लिए काफी कुछ लेकर

ICC CRICKET WORLD CUP
ENGLAND & WALES
2019

टीम इंडिया के लीग मैचों का कार्यक्रम

5 जून- दोपहर 3:00 बजे	दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत, रोज बाउल, साउथम्प्टन
9 जून- दोपहर 3:00 बजे	ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, केनिंग्टन ओवल, लंदन
13 जून- दोपहर 3:00 बजे	न्यूजीलैंड बनाम भारत, ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंगम
16 जून- दोपहर 3:00 बजे	पाकिस्तान बनाम भारत, ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
22 जून- दोपहर 3:00 बजे	अफगानिस्तान बनाम भारत, रोज बाउल, साउथेम्प्टन
27 जून- दोपहर 3:00 बजे	वेस्ट इंडीज बनाम भारत, ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
30 जून- दोपहर 3:00 बजे	इंग्लैंड बनाम भारत, एजबेस्टन, बर्मिंघम
2 जुलाई- दोपहर 3:00 बजे	बांग्लादेश बनाम भारत, एजबेस्टन, बर्मिंघम
6 जुलाई- दोपहर 3:00 बजे	श्रीलंका बनाम भारत, हेडिंग्ले, लीड्स

आते हैं। उनको शामिल किए जाने से काफी खुश हूं। हमें विश्व कप के लिए अपनी टीम अच्छी लग रही है। हमें पता था कि विश्व कप के लिए हमें कैसी टीम के साथ जाना है। कौन किस नंबर पर बल्लेबाजी करेगा, इस पर फैसला हम बाद में करेंगे। इस पर फैसला टूर्नामेंट और पास आने पर लिया जाएगा। हमने कुछ कॉम्बिनेशन ट्राइ किए थे। जब विजय शंकर की बात आई तो उनके पास तीनों डायमेंशन हैं। वो अच्छी बल्लेबाजी करते हैं, अच्छी गेंदबाजी करते हैं और अच्छे फील्डर भी हैं। वो प्रॉपर बल्लेबाज हैं। इस वजह से हमें उनका विकल्प अच्छा लगा। बाकी टीमों के पास भी ऐसा बैलेंस काफी समय से है। इसी को लेकर हम सब विजय को लेकर सहमत हुए।

धोनी ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें खेल अंदर और बाहर से पूरी तरह पता होता है। वो खेल को पहली गेंद से लेकर 300वीं गेंद तक समझते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि टीम में उनका होना लग्जरी है, लेकिन हां यह जरूर कहूंगा कि स्टंप के पीछे उनके जैसे दिमाग वाले इंसान के होने से मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। मैच स्ट्रैटजी को लेकर मैं माही भाई और रोहित शर्मा के साथ

धोनी ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें खेल अंदर और बाहर से पूरी तरह पता होता है। वो खेल को पहली गेंद से लेकर 300वीं गेंद तक समझते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि टीम में उनका होना लग्जरी है, लेकिन हां यह जरूर कहूंगा कि स्टंप के पीछे उनके जैसे दिमाग वाले इंसान के होने से मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। मैच स्ट्रैटजी को लेकर मैं माही भाई और रोहित शर्मा के साथ टीम मैनेजमेंट से चर्चा करता हूं।

टीम मैनेजमेंट से चर्चा करता हूं। डेथ ओवरों में मुझे पता है कि मुझे टीम के लिए सीमारेखा के पास रहना होगा क्योंकि यही मेरा स्वभाव है कि मैं टीम के लिए कुछ करना चाहता हूं, बजाय इसके की वहां सिर्फ मौजूद रहूं। 30-35 ओवर के बाद उन्हें पता होता है कि मैं सीमा रेखा के पास रहूंगा तो वह खुद ही कमान संभाल लेते हैं।

यह फील्ड प्लेसमेंट और गेंदबाजी में बदलाव की बात होती है। हम उनसे कहते हैं कि आपको एंगल्स पता हैं और आप पिच की गति को पहचानते हैं। इसीलिए हम दोनों को एक-दूसरे पर विश्वास है और हम एक दूसरे का सम्मान करते हैं। ये देखकर अच्छा लगता है कि इतने लोग उनके पीछे हैं, आप खुद देखिए उन्होंने देश के लिए क्या कुछ किया है। उनकी जो जगह है वो उसके लायक हैं। यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई लोग उनकी (धोनी) आलोचना कर रहे हैं मेरे लिए ईमानदारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। जब मैं टीम में आया था उनके पास कुछ मैचों के बाद दूसरे खिलाड़ियों को आजमाने का विकल्प था। हालांकि मैंने अपने मौके को भुनाया लेकिन मेरे लिए इस तरह का समर्थन मिलना काफी जरूरी था।उन्होंने मुझे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का भी मौका दिया जबकि ज्यादातर युवाओं को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का मौका नहीं मिलता है। ■

दस टीमों के दस कप्तान

भारत – विराट कोहली

इस धुरंधर बल्लेबाज ने वनडे क्रिकेट में 227 मैच में 10 हजार 843 रन है। वह मौजूदा समय में भारत की तरफ से वनडे और टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

इंग्लैंड – इयोन मोर्गन

इंटरनेशनल लेवल पर आयरलैंड क्रिकेट टीम की भी कप्तानी की है। वो साल 2007 में आयरलैंड की टीम की तरफ से वेस्टइंडीज में आयोजित विश्व कप में खेल चुके हैं। इस लिहाज से ये उनका चौथा वर्ल्ड कप होगा। इंग्लैंड के लिए वो चौथी बार विश्व कप खेलने उतरेंगे। साल 2015 में भी उनके ही हाथों में टीम की कमान थी और टीम को निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से पहले ही दौर में बाहर होना पड़ा था। 32 साल के बाएं हाथ बल्लेबाज इयोन मोर्गन 221 वनडे मैचों में 90.15 की स्ट्राइक रेट के साथ 6 हजार 901 रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया – एरोन फिंच

टॉप ऑडर बल्लेबाज फिंच के नाम 109 वनडे मैचों में 88.16 की स्ट्राइक रेट के साथ 4 हजार 52 रन दर्ज हैं। ऑस्ट्रेलियाई की तरफ से सबसे तेज 10 वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी एरोन फिंच के नाम है।

वेस्टइंडीज – जेसन होल्डर

इस बल्लेबाज ने 97 वनडे मैचों की 77 पारियों में 1 हजार 574 रन बनाए हैं। 40 साल पहले इंग्लैंड की सरजमीं पर आखिरी बार विश्व खिताब जीतने वाली कैरेबियाई टीम को इस बार डार्क हॉर्स माना जा रहा है। होल्डर की कप्तानी में कैरेबियाई टीम कोई बड़ा करिश्मा कर दे तो किसी को इस पर आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए।

न्यूजीलैंड – केन विलियमसन

अपने देश के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विलियमसन ऑफ स्पिन गेंदबाज भी हैं। उन्होंने 139 वनडे मैचों में 5 हजार 554 रन बनाए हैं। विलियमसन न्यूजीलैंड की तरफ से 2011 और 2015 आईसीसी विश्व कप भी खेल चुके हैं।

पाकिस्तान– सरफराज अहमद

विकेटकीपर बल्लेबाज को फरवरी 2017 में वनडे टीम का कप्तान बनाया गया था। दाएं हाथ

उद्घाटन पार्टी होगी 'द माल' में

इंग्लैंड में इस साल होने वाले विश्व कप की उद्घाटन पार्टी का आयोजन 29 मई को मध्य लंदन के 'द माल' में होगा। जिसमें कई बड़े नाम शामिल होंगे। इस साल इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार विश्व कप टॉप-10 टीमों के बीच राउंड रॉबिन के तहत खेला जाना है। इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप को लेकर मेजबान इंग्लैंड भी अपनी तैयारियों में जुटा हुआ है। इंग्लैंड में इस साल होने वाले विश्व कप की उद्घाटन पार्टी को लेकर भी इंतजाम पूरे किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि विश्व कप की उद्घाटन पार्टी का आयोजन 29 मई को मध्य लंदन के 'द माल' में होगा। आयोजकों को यह उम्मीद है कि इसके लिए 'द माल' की क्षमता के अनुसार सभी 4000 टिकट बिक जाऐंगे। उद्घाटन पार्टी का आयोजन करने के लिए चुना गया 'द माल' बकिंघम पैलेस ट्राफलगर स्क्वायर को जोड़ता है। इस पार्टी का आयोजन 30 मई को दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के मैच से विश्व कप शुरू होने की पूर्व संध्या (29 मई) पर होगा जिसमें संगीत, नृत्य और खेलों से जुड़े कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। ■

के बल्लेबाज सरफराज ने 105 वनडे मैचों की 79 पारियों में 2 हजार 31 रन बनाए हैं। 2017 में पाकिस्तान ने उनके कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में एक बार फिर उनकी कप्तानी में टीम से 2 साल पुराने प्रदर्शन को दोहराने की आशा है।

बांग्लादेश–मशरफे मुर्तजा

बांग्लादेश की टी-20 टीम के भी कप्तान हैं। मशरफे मुर्तजा इसके साथ ही वह बांग्लादेश की तरफ से 200 वनडे मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर हैं। मशरफे ने सबसे अधिक वनडे मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी भी की है। पिछली बार बांग्लादेश विश्वकप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी। इस बार भी मुर्तजा टीम को नॉकआउट दौर में ले जाने की पुरजोर कोशिश करेंगे। वह अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। बस देखना यह है कि टीम के बाकी खिलाड़ी उनका कितना साथ देते हैं।

श्रीलंका – दिमुथ करुणारत्ने

सलामी बल्लेबाज हैं। वह तिलकरत्ने दिलशान के बाद एक साल में तीन शतक लगाने वाले दूसरे श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज हैं। दिमुथ ने 68.84 के स्ट्राइक रेट के साथ 17 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनका वनडे में सर्वोच्च स्कोर 190 रन है। अपने सबस खराब दौर से गुजर रही श्रीलंका की टीम को पटरी पर लाने की उनके सामने चुनौती है।

दक्षिण अफ्रीका – फॉफ डु प्लेसिस

मध्य क्रम के बल्लेबाज के साथ ही पार्ट टाइम लेग स्पिन भी गेंदबाज हैं। फॉफ डु प्लेसिस ने 88.53 की औसत से 124 वनडे मैचों में 5 हजार 120 रन बनाए हैं। उनके सामने टीम को चोकर्स के टैग से बाहर निकालने की चुनौती है। पिछली बार सेमीफाइनल में हार का सामना करने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम के वो सदस्य थे।

अफगानिस्तान –गुलाबदीन नईब

इस ऑलराउंडर के नाम पर वनडे क्रिकेट में 54 मैच में 827 रन और 44 विकेट दर्ज हैं। उन्हें कप्तान बनाए जाने का विरोध भी हुआ लेकिन फिर टीम के हित में सभी खिलाड़ी मान गए। उनके लिए यह वर्ल्ड कप कड़ी परीक्षा वाली प्रतियोगिता है। उनके प्रदर्शन पर सभी क्रिकेट प्रेमियों की निगाह रहेगी। यह भी देखा जाएगा कि इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है। ■

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 का कार्यक्रम

तारीख	मैच	मैदान
30 मई	इंग्लैंड बनाम साउथ अफ्रीका	द ओवल, लंदन
31 मई	वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
1 जून	न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम, कार्डिफ
	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया (डे नाइट)	
2 जून	साउथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	द ओवल, लंदन
3 जून	इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
4 जून	अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम, कार्डिफ
5 जून	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड (डे नाइट)	द ओवल लंदन
6 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
7 जून	पाकिस्तान बनाम श्रीलंका	ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल
8 जून	इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश	कार्डिफ वेल्स स्टेडियम
		अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड
		काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
9 जून	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	द ओवल, लंदन
10 जून	साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
11 जून	बांग्लादेश बनाम श्रीलंका	ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल
12 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान	काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
13 जून	भारत बनाम न्यूजीलैंड	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
14 जून	इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन

ICC CRICKET WORLD CUP
ENGLAND & WALES
2019

15 जून	श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया	द ओवल, लंदन
	साउथ अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान	कार्डिफ वेल्स, कार्डिफ
16 जून	भारत बनाम पाकिस्तान	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
17 जून	वेस्टइंडीज बनाम बांग्लादेश	काउंटी ग्राउंड, टॉन्टन
18 जून	इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
19 जून	न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका	एजबेस्टन, बर्मिंघम
20 जून	ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश	ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम
21 जून	इंग्लैंड बनाम श्रीलंका	हेडिंग्ले, लीड्स
22 जून	भारत बनाम अफगानिस्तान	हैंपशायर बाउल, साउथैंप्टन
	वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड (डे नाइट)	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
23 जून	पाकिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका	लॉर्ड्स, लंदन
24 जून	बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान	हैंपशायर बाउल, हैंपशायर
25 जून	इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया	लॉर्ड्स, लंदन
26 जून	न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान	एजबेस्टन, नॉटिंघम
27 जून	भारत बनाम वेस्टइंडीज	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
28 जून	श्रीलंका बनाम साउथ अफ्रीका	द रिवर साइड, डरहम
29 जून	पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान	हेडिंग्ले, लीड्स
	न्यूजीलैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया (डे नाइट)	लॉर्ड्स, लंदन
30 जून	भारत बनाम इंग्लैंड	एजबेस्टन, बर्मिंघम
1 जुलाई	श्रीलंका बनाम वेस्टइंडीज	द रिवर साइड, डरहम
2 जुलाई	भारत बनाम बांग्लादेश	एजबेस्टन, बर्मिंघम
3 जुलाई	इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड	द रिवर साइड, डरहम
4 जुलाई	अफगानिस्तान बनाम वेस्टइंडीज	हेडिंग्ले, लीड्स
5 जुलाई	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	लॉर्ड्स, लंदन
6 जुलाई	भारत बनाम श्रीलंका	हेडिंग्ले, लीड्स
	ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका	ओल्ड ट्रेफर्ड, मैनचेस्टर
9 जुलाई	पहला सेमीफाइनल 1 बनाम 4	ओल्ड ट्रेफर्ड , मैनचेस्टर
बुधवार 10 जुलाई	रिजर्व डे	
गुरुवार 11 जुलाई	दूसरा सेमीफाइनल 2 बनाम 3	एजबेस्टन, बर्मिंघम
शुक्रवार 12 जुलाई	रिजर्व डे	
रविवार 14 जुलाई	**फाइनल**	**लॉर्ड्स, लंदन**
सोमवार 15 जुलाई	**रिजर्व डे**	

टीम इंडिया दोहरा सकती है 1983 का इतिहास

कपिल देव
(1983 की वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के कप्तान)

मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि विराट कोहली 1983 का मेरा इतिहास दोहरा सकेंगे। मेरी नजर में वर्ल्ड कप के दावेदारों के लिए मेजबान इंग्लैंड, गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और भारत हैं। सेमीफाइनल की चौथी टीम के सरप्राइज के तौर पर न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज हो सकते हैं। चौथी टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान भी दावेदार हैं। भारत के पास युवा और अनुभव का बेहतरीन तालमेल है। टीम खिलाड़ियों के लिहाज से बेहद संतुलित है जिसमें चार तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हैं जबकि टीम के पास विराट कोहली और महेंद्र सिंह धौनी के रूप में दो बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम निश्चित रूप से टॉप चार टीमों में शामिल रहेगी। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी टीम के लिए कुछ भी हो सकता है।

आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि क्या आपकी टीम वर्ल्ड कप जीत सकती है या नहीं। मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि विराट 1983 का मेरा इतिहास दोहरा सकेंगे। मेरी नजर में वर्ल्ड कप के दावेदारों के लिए मेजबान इंग्लैंड, गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और भारत हैं। सेमीफाइनल की चौथी टीम के सरप्राइज के तौर पर न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज हो सकते हैं। चौथी टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान भी दावेदार हैं। भारत के पास युवा और अनुभव का बेहतरीन तालमेल है। टीम खिलाड़ियों के लिहाज से बेहद संतुलित है जिसमें चार तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हैं जबकि टीम के पास विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी के रूप में दो बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम निश्चित रूप से टॉप चार टीमों में शामिल रहेगी। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी टीम के लिए कुछ भी हो सकता है। सिलेक्टर्स ने जो टीम चुनी है उस पर आपको भरोसा होना चाहिए और चुनी गई टीम का सम्मान किया जाना चाहिए।

पूर्व कप्तान धौनी और विराट के बीच तालमेल टीम के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों ने भारत के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद है कि उनका यह प्रदर्शन वर्ल्ड कप में भी जारी रहेगा। टीम को न केवल इन दोनों बल्कि पूरी टीम के तालमेल की जरूरत रहेगी। आपको यह समझना होगा कि आप वर्ल्ड कप में भारत के लिए खेल रहे हैं। तेज गेंदबाज भारतीय आक्रमण की धुरी रहेंगे और मुझे यकीन है कि 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड की स्विंग लेने वाली परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाएंगे।

पिछले 10 साल में क्रिकेट बहुत बदल गया है। आज कोई भी स्थान स्थायी नहीं है। मौजूदा समय में टीम में स्थायी जैसा कुछ नहीं होता। ओपनिंग को छोड़ दिया जाए तो कोई भी किसी भी क्रम पर खेल सकता है। वैसे तो ओपनर भी चौथे नंबर पर आ सकता है। मेरा मानना है कि बल्लेबाजी क्रम में एक लचीलापन होना चाहिए।

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पर ज्यादा दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। पांड्या एक अच्छे ऑलराउंडर हैं लेकिन उनपर उम्मीदों का ज्यादा बोझ डालने से उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। उनकी किसी से तुलना नहीं की जानी चाहिए। उन्हें अपना खेल खेलने के लिए छोड़ देना चाहिए तभी वो टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। मैंने अपने जीवन में कभी गाना नहीं गाया, लेकिन हां एक बार अपनी पत्नी को बोला था कि 'तुम मुझे चाहो या न चाहो यह हक है तुम्हें, हमने तो मोहब्बत की है।' वैसे मां ने बोला था कि बेटा गाना गाने की कोशिश भी मत करना, अब तो मां है नहीं और मैंने मां को मनाने की कभी कोशिश भी नहीं की। ■

(ब्रिटानिया खाओ वर्ल्ड कप जाओ कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत पर आधारित)

खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना है : मनु साहनी

राकेश थपलियाल

यह 2005 की बात है। मैं 'हिन्दुस्तान' अखबार में खेल का सीनियर रिपोर्टर था और मनु साहनी ईएसपीएन चैनल के प्रबंध निदेशक थे। उसी वर्ष ईएसपीएन चैनल ने 'स्पोर्ट्स सेंटर' के नाम से अपना हिंदी का खेल समाचार वाला कार्यक्रम शुरू किया था। इस। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस रखी गई थी। वहां मैंने मुन साहनी से एक सवाल पूछा था कि जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो मेरे पिता कहा करते थे कि आप दूरदर्शन पर और बीबीसी पर अंग्रेजी के समाचार सुना करो इससे आपकी अंग्रेजी और उच्चारण दोनों में सुधार होगा।

क्या आपके चैनल पर हिंदी का यह कार्यक्रम देखने के बाद इसी तर्ज पर लोग यह कह सकेंगे कि उनकी हिंदी सुधर रही है? इस पर मनु ने कहा, 'कम से कम मेरी हिंदी तो जरूर सुधरेगी क्योंकि मुझे ठीक से हिंदी आती नहीं है।'यह सुनकर मैंने कहा आप स्टेज पर अपने पीछे लगे बोर्ड को देखें उस पर आपके कार्यक्रम का नाम 'स्पोर्ट्स सेंटर' ही गलत लिखा हुआ है। इसके बाद मनु और स्टेज पर बैठे टीवी एंकर दारेन शाहिदी ने बोर्ड को देखा और तर्क दिया कि यह ठीक लिखा है। ऐसे में मैंने कहा कि आपके चैनल पर जब इस तरह से गलत हिंदी दिखाई जाएगी तो बच्चे और युवा भ्रमित रहेंगे। हम उन्हें कहेंगे कि यह गलत है पर वो कहेंगे कि यह सही है क्योंकि ईएसपीएन चैनल पर ऐसा ही लिखा आता है। कुछ देर तर्क कुतर्क के बाद प्रेस कांफ्रेंस समाप्त हो गई। कुछ माह के बाद एक दिन अचानक ईएसपीएन चैनल में कार्यरत वरिष्ठ पत्रकार रविकांत सिंह का फोन आया कि राकेश क्या एक सप्ताह के लिए आप सिंगापुर आकर हमारे कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स सेंटर' में बतौर

एक्सपर्ट आएंगे। मेरे हां कहने पर आधिकारिक निमंत्रण भेजने की सारी प्रक्रिया पूरी हुई और मैं सिंगापुर पहुंच गया। सोमवार से शुक्रवार तक रोज स्पोर्ट्स सेंटर में शिरकत की और अंतिम दिन दारेन शाहिदी ने मुझसे पूछा कि क्या आपको मालूम है कि देश के दिग्गज खेल पत्रकारों के बीच इस शो में आपको क्यों बुलाया गया है? मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं था। तब दारेन ने कहा, उस दिन दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान आपने हमारे शो के नाम को लेकर जिस तरह से हमारे साथ बहस की थी उससे हमारे प्रबंध निदेशक मनु साहनी काफी प्रभावित हुए थे और उन्होंने कहा कि 'इस शो में इस व्यक्ति को बुलाओ जिसने इतने लोगों के बीच हमारी गलती बताई थी। आज मैं आपको कह रहा हूं कि उस दिन प्रेस कांफ्रेंस में आप सही थे और हम गलत थे।'

अपनी गलती बताने पर भी किसी पत्रकार को इस तरह सम्मान के नजरिए से देखना यह जता गया था कि मनु साहनी भीड़ से हटकर हैं। अब वही मनु अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बन गए हैं। साहनी ने तत्काल प्रभाव से पूर्व सीईओ डेविड रिचर्डसन की जगह ली है। हालांकि, रिचर्डसन इस साल जुलाई में इंग्लैंड एवं वेल्स में होने वाले विश्व कप तक आईसीसी के साथ जुड़े रहेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि साहनी पिछले छह सप्ताह से रिचर्डसन के साथ काम कर रहे थे ताकि वह आसानी से अपना पद्भार संभालने में कमायाब हो पाएं।

मनु साहनी ने कहा, 'मुझे डेविड से बागडोर अपने हाथ में लेने पर बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने पिछले सात वर्षों में इस खेल को इतनी मजबूती से आगे बढ़ाया है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि वह क्रिकेट विश्व कप-2019 के आयोजन तक अपना नेतृत्व जारी रखेंगे। क्रिकेट के सबसे बड़े उत्सव का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए उनसे बेहतर कोई व्यक्ति नहीं होगा। मैं आने वाले अवसरों से उत्साहित हूं और मैं अपने सदस्यों, साझेदारों एवं कर्मचारियों के साथ खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की उद्देश्य से काम करने के लिए तैयार हूं।

मनु ने कहा, मेरे सामने जो अवसर हैं उन्हें लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं अपने सदस्यों, साझीदारों और स्टाफ के साथ भागीदारी में क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने का कार्य करने की तरफ देख रहा हूं। टैक्नोलॉजी, महिला क्रिकेट और उच्च मूल्य मुख्य क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देना है। हमें देखना है कि हम किस तरह से नए प्रयोगों के जरिए खेल का दीर्घकालीन भविष्य बदल सकें।' रिचर्डसन ने कहा, 'मैंने आईसीसी में अपने समय का भरपूर मजा उठाया है। मैं इस बात से खुश हूं कि जो हमने पाया है। हाल के समय में खेल के हर फॉर्मेट में शानदार कार्य किया है। आईसीसी पुरुषों का क्रिकेट वर्ल्ड कप आगे बढ़ने का सबसे सटीक बिंदू है। मेरे पास इस प्रतियोगिता को आगे बढ़ाने का विशेषाधिकार प्राप्त है। मुझे पता है कि यह प्रतियोगिता हमारे खेल के लिए गर्व का कार्य करेगी। मैं मनु और उनकी टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' ■

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और भारतीय हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह 'अमर उजाला' अखबार के वरिष्ठ खेल पत्रकार सत्येन्द्र पाल सिंह की पुस्तक 'हॉकी है जिंदगी' का ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में विमोचन करते हुए। लेखक की यह हॉकी पर दूसरी पुस्तक है।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद दूरदर्शन की सीनियर न्यूज रीडर व खेल, साहित्य व महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम करने वालीं नीलम शर्मा को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित करते हुए।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद अंतरराष्ट्रीय तैराक एवं महिलाओं को खेलों में बढ़ावा देने वालीं मीनाक्षी पाहुजा को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित करते हुए।

राजधानी दिल्ली में हुए 'फीफा सीआईइएस पिल्लई स्पोर्ट्स समित' में शिरकत करते हुए पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट शाइनी विल्सन, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप वत्स और फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष साजी प्रभाकरन अन्य पैनलिस्टों के साथ।

भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्य श्रीमति नीता अंबानी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। साथ खड़े हैं उनके पति जाने माने उद्योगपति वह श्री मुकेश अंबानी।

एफआईएच के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष डॉ. थॉमस बाख को एफआईएच अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए।

भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व महासचिव राजा रणधीर सिंह को बैंकॉक में ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की कोआर्डिनेशन कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया। ये कमेटी पांच खेल कराने में ओसीए की मदद करेगी।

खेल पत्रकार मनोज जोशी की किताब 'क्लाईमैक्स' का विमोचन करते हुए रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह व आईटीवी मीडिया ग्रुप के प्रमुख कार्तिकेय शर्मा।

दिल्ली में दिलशाद कॉलोनी स्थित आयरन बुल्स जिम के बॉडीबिल्डर रोशन दिल्ली स्टेट बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में 'मिस्टर दिल्ली' का खिताब जीतने के बाद अपने कोच नवीन थपलियाल (बाएं) को साथी बॉडीबिल्डरों के साथ ट्रॉफी दिखाते हुए।

एफआईएच के अध्यक्ष डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा बैंकॉक में ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष शेख अहमद अल-फहद अल-सबाह को एफआईएच प्रेसिडेंट्स अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए।

मुंबई इंडियंस का खिताबी 'चौका'

आखिरी गेंद पर विकेट लेकर चेन्नई सुपरकिंग्स को एक रन से हराकर जीता फाइनल

अशोक किंकर

फाइनल मैच के फाइनल ओवर में मुकाबला रोमांच के चरम पर पहुंच चुका था। मुंबई इंडियंस की मालकिन नीता अंबानी मैच देखने के बजाए लगातार आंख बंद कर हाथ जोड़े हुए मंत्रोचार कर रहीं थी। अंतिम ओवर में चेन्नई को जीत के लिए नौ रन चाहिए थे, पहली दो गेंदों पर एक-एक रन आया। तीसरी गेंद पर दो रन बने। चौथी गेंद पर दूसरा रन लेते समय शेन वाटसन (80) रनआउट हो गए। अंतिम दो गेंदों पर चेन्नई को चार रन चाहिए थे। शार्दुल ने दो रन लिए। जब अंतिम गेंद पर दो रन चाहिए थे तब मलिंगा ने शार्दुल को एलबीडब्ल्यू कर दिया।

जब मुंबई इंडियंस की टीम जीती तो नीता उत्साहित होकर खिलाड़ियों के पास पहुंचीं और टीम के सदस्यों की तरह काफी खुश दिखीं। जीतने के बाद ड्रेसिंग रूम में महेला ने कहा कि मैच को आखिरी गेंद तक ले जाकर कोचिंग स्टाफ को हर्ट अटैक नहीं दिया करो। महेला ने कहा, 'हम जल्दी मरना नहीं चाहते। ऐसा दोबारा मत करना क्योंकि हमारे लिए इस तरह के करीबी मामले देखना बहुत मुश्किल होता है। अच्छा होगा कि अगली बार आप जल्दी और अच्छे से मैच खत्म करें।'

मुंबई की टीम ने इससे पहले 2013, 2015 और 2017 में खिताब जीते थे। वह चार बार खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

नाटकीय उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में मुंबई ने चेन्नई को अंतिम गेंद पर एक रन से हराकर चौथी बार आईपीएल खिताब जीत लिया। मुंबई की टीम ने सीजन-12 के फाइनल मुकाबले में 8 विकेट पर 149 रन बनाए लेकिन चेन्नई की टीम 20 ओवरों में सात विकेट पर 148 रन ही बना पाई। चेन्नई ने तीन बार खिताब जीते हैं। महज एक रन का अंतर चेन्नई को चौथी जीत से वंचित कर गया।

मुंबई के प्रबंधन ने फाइनल से पहले अपनी टीम के खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए ड्रेसिंग रूम में मोटीवेशनल वाक्यों के पोस्टर लगवाए। सिर्फ इतना ही नहीं, दोस्तों और परिवार के सदस्यों ने भी खिलाड़ियों को प्रेरित करने वाले संदेश भेजे। 'मुझे विश्वास है' संदेश के पोस्टर ड्रेसिंग रूम में थे। यह सब फाइनल से पहले खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए किया गया था। खिलाड़ियों के दोस्तों और परिवार वालों ने भी वीडियोज के माध्यम से संदेश खिलाड़ियों को भेजे। इस तरह की चीजें आपके आगे के लिए प्रेरित करती हैं और इसका परिणाम हमारे सामने है।

रोचक बात यह है कि वेस्टइंडीज के चोटिल तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जिन्हें बीच में ही सीजन छोड़ कर जाना पड़ा था वह खासकर फाइनल के लिए भारत आए, क्योंकि टीम प्रबंधन

चाहता था कि यह युवा इस फाइनल के पल का हिस्सा बने। टीम के सीनियर खिलाड़ी युवराज सिंह ने भी इसके लिए अल्जारी को धन्यवाद दिया। सूत्र ने कहा, ह्लयुवी पाजी ने अल्जारी के पास जाकर उनसे बात की और हैदराबाद आने के लिए उन्हें शुक्रिया कहा। यही वह मैदान है जहां उन्होंने इसी सीजन में 12 रन देकर छह विकेट लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई के ओपनर फाफ डू प्लेसिस (26) का विकेट जल्द गंवा दिया था। सुरेश रैना को राहुल चाहर ने आठ रन पर एलबीडब्ल्यू कर दिया था। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (02) नजदीकी अंतर से गैर बल्लेबाजी छोर पर रनआउट हो गए। मगर पिछले मैच में अर्द्धशतक बनाने वाले वाटसन ने अपनी फॉर्म जारी रखी।

अंतिम गेंद पर विकेट लेने वाले श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने इससे पहले अपने तीन ओवरों में काफी रन लुटाए थे। मलिंगा के पारी के छठे ओवर में वाटसन ने उनकी गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया। अंतिम पांच ओवरों में जब चेन्नई को 62 रन की जरूरत थी, तब मलिंगा ने बीस रन दे डाले जिसमें वाटसन के तीन चौकों के अलावा ड्वेन ब्रावो (15) का एक छक्का भी शामिल था।

वाटसन ने 44 गेंदों पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया। वाटसन ने 18वें ओवर में क्रुणाल पंड्या की गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़े। अंतिम दो ओवरों में 18 रन चाहिए थे लेकिन बुमराह ने ड्वेन ब्रावो को विकेट के पीछे कैच करा दिया। अगली तीन गेंदों पर चार रन आए लेकिन अंतिम गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक की गलती से चौका चला गया। अंतिम ओवर की चौथी गेंद पर वाटसन के रनआउट होना टर्निंग प्वाइंट बन गया।

इससे पहले मुंबई के सलामी बल्लेबाजों क्विंटन डी कॉक (29) और रोहित शर्मा (15) ने पावरप्ले में मुंबई को तेज शुरूआत दिलाई थी। हालांकि चेन्नई के मीडियम पेसर दीपक चाहर (3/26), शार्दुल ठाकुर (2/37) और स्पिनर इमरान ताहिर (2/23) ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मुंबई को बड़े स्कोर से रोक लिया। बर्थडे ब्वॉय किरोन पोलार्ड ने नाबाद 41 रन की पारी खेली।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई के ओपनर क्विंटन डी कॉक ने दीपक चाहर

नीता अंबानी ने बेटे आकाश को कहा - थैंक यू

मुम्बई इंडियंस टीम की मालकिन नीता अम्बानी ने रविवार को आईपीएल-12 के फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स पर मिली खिताबी जीत के बाद अपने बेटे और मुम्बई इंडियंस का टीम मैनेजमेंट हैंडल करने वाले आकाश अंबानी को शानदार मदर्स डे गिफ्ट के लिए धन्यवाद कहा। राजीव गांधी स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को एक रन से हराकर चौथी बार खिताब जीता और नीता इस जीत पर काफी खुश नजर आईं। 12 को ही मदर्स डे था। बेटा आकाश भी अपनी मां के साथ मैदान में मौजूद थे। आकाश को मुम्बई इंडियंस के टीम मैनेजमेंट का जिम्मा सौंपा गया है और वो इस टीम को रिलायंस परिवार का हिस्सा मानते हैं। टीम के जश्न के दौरान ड्रेसिंग रूम में नीता ने अपने बेटे आकाश को इस शानदार तोहफे के लिए बधाई दी और मदर्स डे गिफ्ट के लिए धन्यवाद भी कहा। दो साल पहले नीता ने इस टीम की देखरेख का जिम्मा आकाश को सौंपा था। आकाश ने अपनी मां के साथ कमेंटेटर और पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी टीम की सफलता का राज ये है कि पूरा अम्बानी परिवार इस टीम को रिलायंस परिवार का हिस्सा समझता है। साल 2010 में इस टीम की देखरेख का जिम्मा सम्भालने वाली नीता ने इस बात का पूरा ख्याल रखा है कि टीम के हर खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ को परिवार का हिस्सा माना जाए और उसकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाए। लीग के इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों मिली हार के बाद पूरी टीम को नीता अम्बानी ने अपने घर पर बुलाया था और हार का गम भूलकर नए सिरे से शुरुआत करने के लिए कहा था।

मुंबई इंडियंस टीम की मालकिन नीता अंबानी अपने बेटे के साथ फाइनल मैच में रोमांचक जीत के बाद भावुक होकर खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते हुए।

के दूसरे ओवर में तीन छक्के लगाए थे, लेकिन चाहर ने अपने तीसरे ओवर में रोहित शर्मा को न केवल आउट किया बल्कि मेडन ओवर फेंकते हुए दमदार वापसी की।

हालांकि पहला विकेट पांचवें ओवर में 45 रन पर गिर गया था जब शार्दुल ने क्विंटन डी कॉक को विकेट के पीछे लपकवा दिया था। पिछले मैच में शानदार पारी खेलने वाले सूर्य कुमार यादव (15) को इमरान ताहिर ने अपने पहले ही ओवर में आउट कर दिया। इशान किशन (23) ताहिर का दूसरा शिकार बने।

जब हार्दिक पंड्या (16) और किरोन पोलार्ड रनगति बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे तब चाहर ने 19वें ओवर में हार्दिक को एलबीडब्ल्यू कर दिया। यही नहीं चाहर ने इस ओवर में चार रन ही दिए। अंतिम ओवर में मुंबई पोलार्ड की मदद से नौ रन बनाने में सफल रही, जिसमें अंतिम दो गेंद पर लगाए चौके शामिल था। ब्रावो के इस ओवर में मैक्लेनघन दूसरा रन लेने के प्रयास में रनआउट भी हो गए थे।

मुंबई इंडियंस की चैंपियन टीम :

1 क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), 2 रोहित शर्मा (कप्तान), 3 सूर्यकुमार यादव, 4 इशान किशन, 5 हार्दिक पांड्या, 6 क्रुणाल पांड्या, 7 किरोन पोलार्ड, 8 मिशेल मैक्लेनाघन, 9 राहुल चाहर, 10 लसिथ मलिंगा, 11 जसप्रीत बुमराह। ■

इनामी राशि

1 मुंबई इंडियंस	2 चेन्नई सुपरकिंग्स	3 दिल्ली कैपिटल्स	4 सनराइजर्स हैदराबाद
20 करोड़ रुपये	12.50 करोड़ रुपये	10.50 करोड़ रुपये	8.50 करोड़ रुपये

फाइनल मैच में किसे क्या मिला

मैन ऑफ द मैच	1 लाख	जसप्रीत बुमराह
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द मैच	1 लाख	फैफ डुप्लेसी
स्टाइलिश प्लेयर ऑफ द मैच	1 लाख	कीरन पोलार्ड
गेम चेंजर ऑफ द मैच	1 लाख	राहुल चाहर

2008 में कुल प्राइज मनी 20 करोड़ रुपये थी, जिसमें से विजेता टीम को 4.8 करोड़ रुपये मिले थे।

2015 में प्राइज मनी बढ़कर कुल 40 करोड़ रुपये हुई, जिसमें विजेता टीम को 15 करोड़ रुपये मिले।

2018 में कुल प्राइज मनी 50 करोड़ रुपये थी, जिसमें विजेता टीम को 20 करोड़ रुपये मिले थे।

2019 कुल प्राइज मनी 55 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें विजेता टीम को 20 करोड़ रुपये दिए गए।

यह देखना मजेदार था कि कैसे दोनों टीमें अपनी-अपनी गलितयों से एक दूसरे को ट्रॉफी गिफ्ट करती नजर आ रही थीं। एक टीम के तौर पर हमारे लिए अच्छा सीजन रहा। लेकिन हमें बैठकर देखना होगा कि हम किस तरह से फाइनल में पहुंचे। यह ऐसा सीजन नहीं था जहां हमने फाइनल में पहुंचने के लिए शानदार क्रिकेट खेला हो। मिडिल ऑर्डर में अच्छी बल्लेबाजी नहीं हुई, और इस मैच में यह देखना मजेदार था कि दोनों टीमें कैसे अपनी गल्तियों से एक-दूसरे को ट्रॉफी पास कर रही थीं। जिस टीम ने कम गलितयां की, उसने मैच जीत लिया। गेंदबाजों ने शानदार काम किया इस सीजन में, इस मैच में भी, जिसमें विकेट 150 रनों से ज्यादा का था। वो अच्छा प्रदर्शन करते रहे और जब जरूरत पड़ी तब विकेट निकालते गए। जब भी उन्होंने किसी टीम को कम स्कोर पर रोका, तब किसी एक बल्लेबाज ने जिम्मेदारी उठाई और हमें जीत दिलाई। कुछ इसी तरह से हमने अपने चार मैच जीते। विश्व कप के बाद हमें अपनी कमजोरियों पर बात करनी होगी और देखना होगा कि हम इस गैप को कैसे भरते हैं। गेंदबाजों के खिलाफ कुछ नहीं लेकिन बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

- महेन्द्र सिंह धोनी

धोनी का रन आउट होना महत्वपूर्ण रहा। लेकिन इसके अलावा बुमराह ने जो महत्वपूर्ण ओवर किये तथा आखिरी ओवर में मलिंगा ने खेल का शानदार अंत किया।

- सचिन तेंदुलकर, मुंबई इंडियंस के मेंटोर

जब धोनी आउट हुआ तो लगा कि मैच हमारे हाथ में आ गया लेकिन तब शेन वाटसन ने हिटिंग शुरू कर दी। रोहित ने कुछ शानदार फैसले किये तथा डेथ ओवरों के लिये अनुभवी गेंदबाजों को रखा।

- महेला जयवर्धने, टीम के मुख्य कोच

अगर आप एक साल खिताब जीते और अगले साल फाइनल में पहुंचे हैं तो प्रदर्शन अच्छा कहा जाएगा। हम समझते हैं कि ये उम्रदराज टीम है। हमें नए सिरे से टीम तैयार करने पर सोचना होगा। अगले सत्र के लिए रणनीति विश्व कप के बाद तैयार की जाएगी। धौनी विश्व कप खेलने जाएंगे। दूसरी टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। हमें संभलकर नए सिरे से टीम तैयार करके सही संतुलन खोजना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह साल कठिन था। हमारे बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन ये भी है कि हम फाइनल तक पहुंचे और मैच आखिरी गेंद तक खिंचा। बल्लेबाजी में हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन कोशिशों में कोई कमी नहीं थी।

-स्टीफन फ्लेमिंग, मुख्य कोच,चेन्नई सुपरकिंग्स

अवॉर्ड	राशि	खिलाड़ी/टीम
फरफेक्ट कैच ऑफ द सीजन	10 लाख	कीरन पोलार्ड
स्टाइलिश प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख	केएल राहुल
गेम चेंजर ऑफ द सीजन	10 लाख	राहुल चाहर
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख	शुभमन गिल
पर्पल कैप (सबसे ज्यादा विकेट)	10 लाख	इमरान ताहिर
ऑरेंज कैप (सबसे ज्यादा रन)	10 लाख	डेविड वॉर्नर
मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख	आंद्रे रसेल
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन	कार और ट्रॉफी	आंद्रे रसेल
फेयर प्ले अवॉर्ड	ट्रॉफी	सनराइजर्स हैदराबाद
फास्टेस्ट फिफ्टी	1 लाख	हार्दिक पांड्या
बेस्ट ग्राउंड (7+ मैच के लिए)	50 लाख	हैदराबाद
बेस्ट ग्राउंड (7 से कम मैच के लिए)	25 लाख	पंजाब

'अल्टीमेट लीग'

खो खो में दिखेगा रोमांच और रफ्तार का जलवा

राकेश थपलियाल

खो खो को भारत में धनवर्षा वाला लोकप्रिय, फुर्तीला, रोमांचक और कम समय में ज्यादा मनोरंजन करने वाला खेल बनाने की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। इस वर्ष नवंबर में खो खो की ऐसी लीग होने जा रही है जिसमें देशी और विदेशी खिलाड़ी एक साथ खो खो कहते हुए मिलेंगे। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने 'अल्टीमेट खो-खो' नाम से फ्रेंचाइजी आधारित लीग की शुरुआत करने की घोषणा की है। यही नहीं तैयारी इस बात की भी चल रही है कि एशियाड के बाद खो खो को 2032 के ओलंपिक में भी शामिल किया जाए। इस मुहिम में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन व भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता और अध्यक्ष सुधांशु मित्तल रणनीतिक स्तर पर जमकर पसीना बहा रहे हैं।

खो-खो देश के कोने कोने में गांव, शहर और कस्बे में घर के आस पास खूब खेला जाता है। स्कूल और कॉलेज स्तर पर इसकी प्रतियोगिताएं भी बहुत होती हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन के आधार पर खो खो के खिलाड़ियों को नौकरी भी मिल जाती है लेकिन इसके बावजूद प्रोफेशनल खेल के रूप में खो खो अपनी जगह नहीं बना पाया। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने अब कमर कस कर इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

2008 में आईपीएल की शुरुआत के बाद अलग-अलग खेलों की लीग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पांच साल पहले जहां देश में केवल दो लीग होती थी। अब इनकी संख्या बढ़कर 17 हो गई है। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि 'यह एक महत्वाकांक्षी पहल है और मेरा मानना है कि यह लीग देश में खो-खो परिदृश्य को बदल देगी। यह एक गेम चेंजर बनने जा रही है। खो-खो दुनिया के लगभग 20 देशों में खेला जाता है, ज्यादातर एशिया में।'

खो खो लीग में 8 टीमें शामिल होंगी। इसमें देशी और विदेशी खिलाड़ी उतरेंगे। इसे रोचक बनाने के लिए नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। जैसे अब नौ के बजाए सात मिनट का एक राउंड होगा। हर टीम में एक 'वजीर' खिलाड़ी होगा जो विशेषअधिकार के साथ उतरेगा। हवा में उछलकर रक्षक को पकड़ने पर एक बोनस अंक अलग से मिलेगा। रिव्यू सिस्टम भी लागू होगा। इसमें एक पारी में एक टीम को दो रेफरेल मिलेंगे और हर असफल रेफरल पर विपक्षी टीम को एक अंक मिल जाएगा। लीग में शामिल होने वाले लोकल खिलाड़ियों को तीन ग्रेड- ए, बी और सी में बांटा जाएगा। नए खिलाड़ियों की श्रेणी अलग से होगी। पिछले तीन साल के सीनियर और जूनियर नेशनल के प्रदर्शन को देखा जाएगा। भविष्य में लीग के मुकाबले स्टेट और डिस्ट्रिक्ट लेवल पर भी कराए जाने की योजना है। लीग के मुकाबले दिल्ली, महाराष्ट्र में होंगे। इसके अलावा फ्रेंचाइजी टीमों के आधार पर भी अन्य स्थल तय होंगे। लीग के लिए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने डाबर से करार किया गया है। लीग में उतर रही टीमों के नाम की घोषणा नहीं की गई है। लीग में भारत के अलावा अन्य 8 से 10 देशों के खिलाड़ी उतर सकते हैं। हर टीम में 10 फीसदी विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया जाना अनिवार्य होगा। खिलाड़ियों का एक प्रारंभिक प्रारूप होगा जहां इंग्लैंड, दक्षिण कोरिया, ईरान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका सहित दुनिया भर के एथलीट आठ फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टीमों के पास युवा खिलाड़ियों के पूल को विकसित करने के उद्देश्य से 18 खिलाड़ियों को अपने दल में शामिल करने का अवसर होगा।

केकेएफआई और डाबर ने मिलकर तेनजिंग नियोगी को लीग का सीईओ नियुक्त किया है।

खो खो के खेल में नए युग की शुरुआत होगी

अमित बर्मन

(डाबर इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष और अल्टीमेट खो खो लीग के प्रमोटर)

हमने अल्टीमेट खो खो लीग में विजन देखा। इसके पीछे मकसद खेल को पूरी तरह से बदलना है और देश के कोने-कोने में पहुंचाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग खो-खो को जानें। प्रमोटर के तौर पर हमसे इस लीग को सफल बनाने के लिए जो बन पड़ेगा वो हम करेंगे। हमें उम्मीद है कि अल्टीमेट खो-खो खेल में नए युग की शुरुआत करेगी और इसे बदलने वाली साबित होगी। मैं इस लीग को लेकर बहुत उत्तेजित हूं। इस राष्ट्रीय खेल को टीवी लायक बड़ा खेल बनाना है। अभी 22 देशों में खो खो खेला जाता है। इसमें विदेशी खिलाड़ी भी उतरेंगे। हमारी डाबर इंडिया कंपनी भी ग्रामीण इलाकों की है। खो खो का खेल देश के लगभग हर स्कूल और कॉलेज में खूब खेला जाता है। इस लीग के बाद यह तय है कि और बड़ी संख्या में खिलाड़ी सामने आएंगे। जो बदलाव हमने लीग के लिए किए हैं उससे इस खेली की रफ्तार बढ़ेगी और यह एक तेज खेल माना जाएगा। हमारा लक्ष्य भी यही है कि इस खेल को तेज करना है। पहले साल मैं इस लीग में 10 करोड़ रुपये का निवेश करूंगा। यह फ्रेंचाइज फीस होगी जो मुझे केकेएफआई को देनी होगी। लीग का स्वामित्व मेरे पास है और मुझे केकेएफआई को फ्रेंचाइजी के पैसे देने होंगे। टीम के मालिक अपनी फ्रेंचाइजी की फीस मुझे देंगे। हम इसके लिए टेंडर और निलामी प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। यह सब जल्दी ही होगा, हमने पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव और केकेएफआई के पूर्व अध्यक्ष राजीव मेहता लीग के अध्यक्ष हैं।

डाबर इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष अमित बर्मन अप्रैल में लांच हुई अपनी तरह की पहली खो-खो लीग में 10 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। बर्मन ने लांच के मौके पर कहा, 'पहले साल मैं इस लीग में 10 करोड़ रुपये का निवेश करूंगा। यह फ्रेंचाइज फीस होगी जो मुझे केकेएफआई को देनी होगी। लीग का स्वामित्व मेरे पास है और मुझे केकेएफआई को फ्रेंचाइजी के पैसे देने होंगे। टीम के मालिक अपनी फ्रेंचाइजी की फीस मुझे देंगे। हम इसके लिए टेंडर और निलामी प्रक्रिया की शुरूआत करेंगे। यह सब एक महीने के अंदर होगा, हमने पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दी है।' खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन राजीव मेहता ने कहा, 'जल्द ही इस लीग का पूरा फॉर्मेट लॉन्च हो जाएगा। हम दुनिया की कई इंटरनेशनल फेडरेशन से बात कर रहे हैं ताकि वो भी हमारे साथ जुड़ें इस कंसेप्ट से इस खेल को बहुत ज्यादा फायदा मिलेगा। हमारी रणनीति यही है कि देश के दूर-दराज के इलाकों से हम खो खो के लिए खेलप्रेमियों को अपने साथ जोड़ सकें । इस लीग में टीमें खरीदने के लिए कई देश के कई बड़े सेलेब्रिटीज को अप्रोच किया जा रहा है। हर एक टीम में दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी होंगे। टीमों को खरीदने के लिए कई बड़े नामों को अप्रोच किया जा रहा है।'

यह पता चला है कि अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकर और अक्षय कुमार जैसे देश के बड़े सितारों से खो खो लीग के लिए बात की जा रही है।

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि 'खो खो भारत में अगला प्रीमियर स्पोर्ट्स लीग वाला खेल बन सकता है।

उन्होंने ये भी कहा था कि खो खो कबड्डी से ज्यादा चलने वाला खेल है क्योंकि इसमें लो इंवेस्टमेंट है और ऑपरेशनल कॉस्ट भी कम है।' 1990 से पहले कबड्डी के खेल की भी लगभग यही स्थिति होती थी पर कबड्डी को एशियाई खेलों में शामिल किए जाने और भारतीय

लीग की खास बातें

21 दिन का आयोजन

60 मैच खेले जाएंगे

02 राउंड रॉबिन फॉर्मेट

08 फ्रेंचाइजी टीम

12 खिलाड़ी हर टीम में

09 मैदान में उतरेंगे

03 अतिरिक्त खिलाड़ी होंगे

02 विदेशी और अंडर-18 खिलाड़ी टीम में होंगे

28 मिनट होगी मैच की कुल अवधि

07 मिनट का राउंड होगा

04 टर्न एक मैच में पारी में लिए जा सकते हैं

10 करोड़ रुपये का निवेश पहले साल होगा

01

वजीर खिलाड़ी हर टीम में होगा

बोनस अंक मिलेगा स्काईडाइव पर डिफेंडर को पकड़ने पर

पारी में दो रेफरल मिलेंगे रिव्यू के लिए

अंक विपक्षी टीम को मिलेगा रिव्यू के असफल रहने पर

लोकल खिलाड़ियों को तीन ग्रेड- ए, बी और सी में बांटा जाएगा।

नए खिलाड़ियों की श्रेणी अलग से होगी।

पिछले तीन साल के सीनियर और जूनियर नेशनल के प्रदर्शन को देखा जाएगा

पुरुष टीम के लगातार सात स्वर्ण जीतने के बाद से स्थिति में बदलाव आया और प्रो कबड्डी लीग ने तो इस खेल की लोकप्रियता को शिखर पर पहुंचा दिया। खो खो को भी एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में एशियाड में शामिल किए जाने के बाद अब पहली बार देश में इसकी लीग भी आयोजित की जाएगी। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि कबड्डी की तरह खो खो का खेल भी एकदम से कुलांचे भरते हुए लोकप्रियता का मील का पत्थर स्थापित करेगा।

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव एम एस त्यागी के अनुसार खो खो कबड्डी से भी ज्यादा तेज खेल है और ऐसे में ये खेल कबड्डी को भी लोकप्रियता में मात दे सकता है। भारत में ये खेल हैदराबाद, कोलकाता, महाराष्ट्र और बेंगलुरू में काफी प्रसिद्ध है। इस खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बनाने के लिए फेडरेशन ने जी जान लगा रखी है। राजीव मेहता के अनुसार, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन को कॉमनवेल्थ गेम्स के खो खो को मान्यता देने का इंतजार है। हमारा लक्ष्य है कि इस खेल को हम उसमें शामिल करवाएं। हमें कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन के जवाब का इंतजार है। साथ ही मैनेजमेंट चाहती है कि खो खो के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाते हुए कम से कम 20-25 देशों में लोकप्रिय बनाया जाए। ■

खो खो, योग और कबड्डी को 2032 के ओलंपिक में शामिल कराना है

राजीव मेहता
(खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन और भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव)

इस लीग के लिए 22 देशों के खिलाड़ी भारत आना चाहते हैं। लीग से पहले एक माह के कैम्प के लिए हर देश से चार खिलाड़ी अभ्यास कैम्प में भाग लेने आएंगे। इसके लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों की एंट्री भी आई है। इस मसले पर हमें केन्द्र सरकार से बात करनी होगी। हम केन्द्र सरकार से अनेक मुद्दों पर बात करेंगे। कैम्प के समाप्त होने के बाद हम 70 विदेशी खिलाड़ी लेंगे। लीग के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भी हमें मिलेंगे। इन दोनों देशों के खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और हमें नीलामी के लिए अच्छे आप्शंस मिलेंगे। मेरा लक्ष्य खो खो के खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है इसके लिए हम सभी मिलकर काफी मेहनत कर रहे हैं। हमारे खिलाड़ी भी खूब मेहनत कर रहे हैं जिससे लीग में बेहतर प्रदर्शन कर वे नाम व दाम दोनों कमा सकें। उम्मीद है हमारी मेहनत रंग लाएगी।

नए फॉर्मेट के साथ भारत में खो खो के पारंपरिक खेल की लोकप्रियता में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अधिक से अधिक मौका मिलेगा और अल्टीमेट खो खो लीग खिलाड़ियों को जरूरी एक्सपोजर देने के साथ-साथ उनके प्रति लोगों का ध्यान भी अपनी ओर खींचेगी। इस लीग के लिए 22 देशों के खिलाड़ी भारत आना चाहते हैं। लीग से पहले एक माह के कैम्प के लिए हर देश से चार खिलाड़ी अभ्यास कैम्प में भाग लेने आएंगे। इसके लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों की एंट्री भी आई है। इस मसले पर हमें केन्द्र सरकार से बात करनी होगी। हम केन्द्र सरकार से अनेक मुद्दों पर बात करेंगे। कैम्प के समाप्त होने के बाद हम 70 विदेशी खिलाड़ी लेंगे। लीग के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भी हमें मिलेंगे। इन दोनों देशों के खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और हमें नीलामी के लिए अच्छे आप्शंस मिलेंगे। खो खो का खेल एशियाड में तो आ ही रहा है हम आने वाले समय में 2032 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दावेदारी करने जा रहे हैं। अगर हमें ओलंपिक कराने को मिलते हैं तो हम इसमें योग, खो खो और कबड्डी को शामिल करा इन तीनों भारतीय खेलों को ओलंपिक खेल बना सकते हैं। खो खो लीग को आकर्षक बनाने के लिए हमने इसके फॉर्मेट में कुछ बदलाव किए हैं इससे मुकाबलों में रोमांच बढ़ेगा और खेल की रफ्तार भी बढ़ेगी जिससे देखने वालों को काफी मजा आएगा। खेल प्रेमियों में इस प्रचीन खेल के प्रति दिलचस्पी बढ़ेगी। मेरे विचार में वजीर का प्रयोग काफी अच्छा रहेगा। वह टीम की जर्सी से अलग रंग की जर्सी पहन कर खेलते हुए देखने वालों के आकर्षण का केन्द्र भी रहेगा। मैचों में हर टीम में एक 'वजीर' होगा, जिसे दाएं या बाएं विंग में घूमने की आजादी होगी लेकिन वह सेंटर लाइन नहीं पार कर सकता। उसे हर समय एक परफेक्ट खो के लिए प्रयास करना होगा, नहीं तो उसका प्रयास फाउल माना जाएगा। वजीर को ट्रम्प कार्ड माना जाएगा और इसका उपयोग कोई भी टीम अपने अंकों को बढ़ाने और आक्रमण को तेज करने के लिए कर सकती है। मेरा लक्ष्य खो खो के खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इसके लिए हम सभी मिलकर काफी मेहनत कर रहे हैं। हमारे खिलाड़ी भी खूब मेहनत कर रहे हैं जिससे लीग में बेहतर प्रदर्शन कर वे नाम व दाम दोनों कमा सकें। उम्मीद है हमारी मेहनत रंग लाएगी। ■

खो खो में देश की मिट्टी से जुड़े होने की सुगंध आती है

सुधांशु मित्तल
(खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष)

खो खो ऐसा खेल है जो हमारे देश के लगभग सभी लोग किसी न किसी समय खेला जरूर होगा। इससे सभी के चेहरे पर मुस्कान आती है। देश की मिट्टी से जुड़े होने की सुगंध आती है। इस खेल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना ही चाहिए। पिछले साल राजीव मेहता जी के प्रयास से खो खो को एशियाई खेलों का दर्जा व मान्यता मिल गई है। इसे आगे बढ़ाने के लिए यह तय किया गया कि खो खो की लीग कराई जाए। टेलीविजन पर इसे मनोरंजक खेल की तरह दिखाया जाए। बड़ी खासियत यह है कि इसमें कुछ खर्च नहीं लगता है। बस खम्बे व जमीन चाहिए। इसे करना संभव चीज लगी और इसे देखते हुए अमित बर्मन जी ने लीग से जुड़ने का फैसला किया। तभी से हम सभी इस पर मेहनत करने में लगे हुए थे कि कैसे इसके नियम हों, टैक्नोलॉजी की मदद ली जाए। खिलाड़ी के दृष्टिकोण से क्या सरफेस हो सकते हैं।

खो खो के लिए यह गौरव का दिन है। डाबर कंपनी के उपाध्यक्ष अमित बर्मन जी का खेलों से बड़ा लगाव रहा है। अमित बर्मन जी की मान्यता थी कि जमीन से जुड़े हुए खेल में मेहनत की जाए और उसे बढ़ावा दिया जाए। वो विश्व स्तर पर काफी सफल हो। खो खो ऐसा खेल है जो हमारे देश के लगभग सभी लोग किसी न किसी समय खेला जरूर होगा। इससे सभी के चेहरे पर मुस्कान आती है। देश की मिट्टी से जुड़े होने की सुगंध आती है। इस खेल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना ही चाहिए। पिछले साल राजीव मेहता जी के प्रयास से खो खो का एशियाई खेलों का दर्जा व मान्यता मिल गई है। इसे आगे बढ़ाने के लिए यह तय किया गया कि खो खो की लीग कराई जाए। टेलीविजन पर इसे मनोरंजक खेल की तरह दिखाया जाए। बड़ी खासियत यह है कि इसमें कुछ खर्च नहीं लगता है। बस खम्बे व जमीन चाहिए। इसे करना संभव चीज लगी और इसे देखते हुए अमित बर्मन जी ने लीग से जुड़ने का फैसला किया। तभी से हम सभी इस पर मेहनत करने में लगे हुए थे कि कैसे इसके नियम हों, टैक्नोलॉजी की मदद ली जाए। खिलाड़ी के दृष्टिकोण से क्या सरफेस हो सकते हैं। इसमें हमारी फेडरेशन के महासचिव एम एस त्यागी जी ने जुनून की तरह काफी काम किया है। आप देखेंगे कि इस खेल में बहुत गति और फिटनेस चाहिए। हवा में उछलकर जब किसी खिलाड़ी को पकड़ा जाता है तो यह कितना रोमांचकारी होता है। इसमें नए प्रयोग भी किए गए हैं। यह एशियाड में शामिल हो गया है। इसके बाद भारत एशियाई खेलों में इसमें पुरुष व महिला वर्ग में दो पदक जीत सकता है। बर्मन जी और उनकी टीम ने भी बड़ी मेहनत की है टैक्नोलॉजी एक्सपर्टों के साथ कि कैसे इसे मॉडर्न बनाया जाए और आक्रामक बनाया जाए। अमित जी इसके साथ अपने जुनून की वजह से जुड़े हैं। अलग-अलग सेंसर होंगे और मैदान में वो देखने को मिलेगा जो किसी और खेल की लीग में नहीं दिखा होगा। विश्व में लोगों को लगेगा कि यह बड़ा प्रोग्रेसिव खेल है।

हमने इस खेल को अत्याधुनिक, रोचक और दोस्ताना बनाने के लिए 'वजीर' का परिचय कराया है। हमें उम्मीद है कि लोग इस पारंपरिक खेल में लाए गए हमारे इस नए प्रयोग को पसंद करेंगे। 'वजीर' के रूप में बेहद रोमांचपूर्ण प्रयोग इसमें किया गया है। नए अवतार का सबसे आकर्षक पक्ष यह है कि मैचों में हर टीम में एक 'वजीर' होगा, जिसे दाएं या बाएं विंग में घूमने की आजादी होगी लेकिन वह सेंटर लाइन नहीं पार कर सकता। उसे हर समय एक परफेक्ट खो

के लिए प्रयास करना होगा, नहीं तो उसका प्रयास फाउल माना जाएगा। वजीर को ट्रम्प कार्ड माना जाएगा और इसका उपयोग कोई भी टीम अपने अंकों को बढ़ाने और आक्रमण को तेज करने के लिए कर सकती है।

खो-खो के नए अवतार को इस तरह तैयार किया गया है कि इसे खेल रोमांचक होने के साथ-साथ रफ्तार में तेज हो और लोगों को अंत तक बांधे रखे। इस लीग को संक्षिप्त, परिणाम आधारित और ऊर्जा से भरपूर बनाने के लिए एक पारी में नौ की जगह सात मिनट का समय दिया जाएगा। दो मिनट का समय हटा दिया गया है। नए फारमेट में रणनीति आधारित खेल हो, यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है। मैचों का रोमांच बनाए रखने के लिए अंक प्रणाली में बदलाव किया गया है। हर एक स्काइडाइव (डिफेंडर को टैग करने के लिए खिलाड़ी हवा में उछलता है) पर टीम को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा और इसी तरह पोल डाइव पर भी टीमों को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा। नियमित टैग्स को नियमों में बदलाव नहीं हुआ है और इसके लिए पहले की तरह एक अंक ही मिलेगा। बदलावों को ध्यान में रखते हुए डिफेंडरों को बदलने का नया नियम भी लागू किया जा रहा है। हर पारी के आधार पर रिव्यू सिस्टम लागू होगा और हर टीम को हर पारी में दो रेफरल का अधिकार होगा। एक रिव्यू के बेकार जाने पर विपक्षी टीम को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा। एक खिलाड़ी के आउट होने पर 30 सेकेंड का समय होगा उसमें रेफरल लेना होगा। चीफ रेफरी इस पर अपना फैसला देगा। एक खिलाड़ी आउट होगा तो तीन खिलाड़ी कंटीन्यूएशन में रहेंगे। 12 खिलाड़ी अंत तक जाएंगे। फॉलोऑन और सडेन डेथ इस खेल के पुराने नियम के आधार पर ही लागू होंगे। खो-खो 2020 एशियाई खेलों में एक्जीविशनल स्पोर्ट के तौर पर खेला जाएगा और यह लीग भारत के खिलाड़ियों को विश्व के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका उपलब्ध कराएगी, जिससे उनके खेल में सुधार होगा। पहले सीजन में प्रशंसकों का ध्यान खींचने के लिए टीवी पर इसे दिखाने बेहद जरूरी है। नई लीग और छोटा प्रारूप तथा प्रशंसक को भाने वाला फॉर्मेट लीग की सही और आकर्षक शुरुआत में मददगार होगा। आप जरा सोचिए कि अफ्रीका, यूरोप और दक्षिण पूर्वी एशिया के खिलाड़ी इस लीग में शिरकत करेंगे तो इसका आकर्षण कितना बढ़ जाएगा। एक महीने का कैंप जो भारत में लगेगा उसमें खिलाड़ियों की स्किल कितना इंप्रूव करेगी। हमारी तरफ से बहुत ही उत्तम प्रयास किए जा रहे हैं। ■

"

इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन को कॉमनवेल्थ गेम्स के खो खो को मान्यता देने का इंतजार है। हमारा लक्ष्य है कि इस खेल को हम उसमें शामिल करवाएं। हमें कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन के जवाब का इंतजार है। साथ ही मैनेजमेंट चाहती है कि खो खो के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाते हुए कम से कम 20-25 देशों में लोकप्रिय बनाया जाए। उम्मीद है कि अगले दो महीने में इस लीग का पूरा फॉर्मेट लॉन्च हो जाएगा। हम दुनिया की कई इंटरनेशनल फेडरेशन से बात कर रहे हैं ताकि वो भी हमारे साथ जुड़ें इस कंसेप्ट से इस खेल को बहुत ज्यादा फायदा मिलेगा। हमारी रणनीति यही है कि देश के दूर-दराज के इलाकों से हम खो खो के लिए खेलप्रेमियों को अपने साथ जोड़ सकें। इस लीग में टीमें खरीदने के लिए कई देश के कई बड़े सेलेब्रिटीज को अप्रोच किया जा रहा है।

- राजीव मेहता, खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन

"

"

यह एक महत्वाकांक्षी पहल है और मेरा मानना है कि यह लीग देश में खो-खो परिदृश्य को बदल देगी। यह एक गेम चेंजर बनने जा रही है।

- सुधांशु मित्तल, खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

"

"

निश्चित रूप से यह लीग इस भारतीय खेल की लोकप्रियता को बढ़ाने और खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए नए अवसर खोलने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

- राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, पूर्व खेल मंत्री

"

"

खो खो भारत में अगला प्रीमियर स्पोर्ट्स लीग वाला खेल बन सकता है। खो खो कबड्डी से ज्यादा चलने वाला खेल है क्योंकि इसमें लो इंवेस्टमेंट है और ऑपरेशनल कॉस्ट भी कम है।

- अभिषेक बच्चन, सिने अभिनेता

"

"

खो खो कबड्डी से भी ज्यादा तेज खेल है और ऐसे में ये खेल कबड्डी को भी लोकप्रियता में मात दे सकता है। फेडरेशन में होने के नाते हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि आने वाली लीग खिलाड़ियों पर आधारित होगी और लोगों को भी पसंद आएगी। हम इस लीग के माध्यम से देश में खो खो की नई प्रतिभाएं तलाशना चाहते हैं और इस क्रम में यह निश्चित तौर पर सहायक साबित होगी।

- एम एस त्यागी, खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव

"

"

त्वरित खुशी, कम समय में ध्यान आकर्षित करने और नया तरीका अहम चीजें और दर्शक को दिखना चाहिए की आपका खेल समय बिताने के लिए सही है। ब्रांड्स दर्शकों को टारगेट करने के लिए इम्पेक्ट स्पोटर्स को देखते हैं और अल्टीमेट खो-खो के साझेदार तथा हितधारकों को इस नए प्रारूप से फायदा होगा।

- तेनजिंग नियोगी, अल्टीमेट खो-खो के सीईओ

"

अमरीका फिर वनडे में शामिल

2004 में चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेल चुका है दो वनडे मैच

खेल टुडे ब्यूरो

अगर आपने अभी तक नहीं सुना हो तो, हमारे पास अब वनडे इंटरनेशनल का दर्जा है। आप सभी के साथ खेलने का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं ।

टीम अमरीका द्वारा किए गए इस ट्वीट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि लंबे अंतराल के बाद एक बाद फिर वनडे इंटरनेशनल का दर्जा पाने के बाद अमरीका में क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों और वहां क्रिकेट को चलाने वालों के बीच किस कदर खुशी की लहर दौड़ रही है।

अमरीका एक बार फिर आईसीसी का सदस्य बन गया है। वह क्रिकेट की शीर्ष संस्था का 105वां सदस्य होगा। आईसीसी ने कुछ साल पहले अमेरिकी क्रिकेट संघ को हटाने के बाद एक बार फिर उसे अपनी सदस्य सूची में शामिल कर लिया है। आईसीसी वर्ल्ड क्रिकेट लीग डिविजन 2 में शानदार प्रदर्शन के दम पर ओमान और अमरीका वनडे इंटरनेशनल टीम का दर्जा पाने में सफल रहे हैं। आईसीसी वर्ल्ड क्रिकेट लीग डिविजन 2 में ओमान ने नामीबिया के खिलाफ रोमांचक मैच में जीत हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की। अमरीका ने चार में से तीन में जीत हासिल की है।

अमरीका दुनिया की उन 24 टीमों में शामिल है, जिन्होंने कभी ना कभी इंटरनेशनल वनडे मुकाबले खेले हैं। उसने अब तक दो वनडे मुकाबले खेले हैं। उसने ये मुकाबले 2004 में इंग्लैंड में हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेले थे। इन मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने उसे 9 विकेट और न्यूजीलैंड ने 210 रन से हराया था।

अमरीका ने 93वां एसोसिएट सदस्य बनने की अपील की थी। आईसीसी के 12 पूर्ण सदस्य पहले से हैं। इस तरह अमेरिका आईसीसी का 105वां सदस्य बन गया है। अब अमरीका आईसीसी की विकास फंड नीति के अंतर्गत कोष प्राप्त करने के लिए योग्य होगा और वह अमरीका में घरेलू व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देने की स्वीकृति दे सकता है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेविड रिचडर्सन ने कहा, 'यह कड़ी मेहनत का नतीजा है और मैं इस मौके पर अमरीका क्रिकेट को बधाई देता हूं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी देता हूं।'

> **अमरीका क्रिकेट का गठन देश में क्रिकेट समुदाय को एक साथ लाना, खेल का विकास करना था। आज आईसीसी द्वारा हमें उसके सदस्यों की सूची में शामिल करना हमारे सफर की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। मैं आईसीसी और इसके 104 सदस्यों को धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्होंने यह विश्वास किया कि अमरीका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने में सक्षम है।**
>
> **- पराग मराठे, अमरीका क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन**

अमरीका क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन पराग मराठे ने कहा, 'अमरीका क्रिकेट का गठन देश में क्रिकेट समुदाय को एक साथ लाना, खेल का विकास करना था। आज आईसीसी द्वारा हमें उसके सदस्यों की सूची में शामिल करना हमारे सफर की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। मैं आईसीसी और इसके 104 सदस्यों को धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्होंने यह विश्वास किया कि अमरीका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने में सक्षम है।'

ओमान ने अपने सभी मैच जीते हैं। उसने पपुआ न्यू गिनी के खिलाफ खेले गए मैच में ही जीत हासिल कर अपनी दावेदारी को पुख्ता कर लिया था और नामीबिया के खिलाफ उसने महज दर्जा पाने की औपचारिकता पूरी की।

ओमान और अमरीका लीग 2 में स्कॉटलैंड, नेपाल और संयुक्त अरब अमिरात के साथ आ गई हैं जहां वह ढाई साल में कुल 36 वनडे मैच खेलेंगी।

आईसीसी वर्ल्ड क्रिकेट लीग डिविजन 2 में ओमान की टीम चार में से चार मैच जीत 8 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। । वह 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नामीबिया, हॉन्गकॉन्ग, कनाडा और पपुआ न्यू गिनी क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। ■

अमरीका में क्रिकेट नई रोशनी और ऑक्सीजन की तलाश में घुटता रहा

संदीप रॉय चौधरी
(न्यूयार्क में रहे विशेष संवाददाता)

अमरीकी फुटबॉल, बॉस्केटबॉल और बेसबॉल अमरीका के चोटी के खेल है। इनमें हाथ से खेले जाने वाला फुटबॉल अमरीकी स्पोर्ट्स फलक पर सबसे ज्यादा चमकता हुआ सितारा है। यह तीनों खेल यहां के सबसे पुराने खेल भी है। बावजूद इसके सन 1965 में अमरीका की क्रिकेट टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने एसोसियेट मेम्बरशिप प्रदान की थी। यही नहीं सन 1979 में अमरीकी क्रिकेट टीम ने आई सी सी ट्रॉफी टूर्नामेंट में शिरकत भी की थी। कहा जाता रहा है कि अमरीकी किक्रेट पर बेसबॉल का ग्रहण था और है भी। विडम्बना रही कि इस तथाकथित ग्रहण के पहले 1840 में खेले गये अमरीका और कैनेडा के बीच हुये मैच को देखने के लिये लगभग 10000 क्रिकेट प्रेमियों की संख्या उमड़ पड़ी थी। अगर मौजूदा जनसंख्या को मद्देनजर रखें तो यह संख्या लाखों की मानी जायेगी।

सन 2015 के मार्च महीने को भूलना नामुमकिन है जब विश्व क्रिकेट कप के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से था। न्यूयार्क के वो दिन आज भी मेरे जहन मे ताजा हैं। न्यूयार्क शहर के दो विशाल जोन क्वीन्स और ब्रान्क्स जहां अधिकतर निवासी प्रवासी भारतीय, करिबियन और बांग्लादेशी मूल के हैं। यहां पाकिस्तान मूल के निवासी भी अच्छी संख्या में है। इन जगहों पर जश्न का माहौल था। देर रात तक स्पोर्ट्स क्लब, बार, रेस्तरां और लॉउंज को खुले रखने की अनुमति थी। गौरतलब यह है कि यहां जश्न का माहौल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो रहे मैच के लिये नहीं था बल्कि यह क्रिकेट के महाभारत का समय था। सट्टे लग रहे थे। लोग आपस में ही अपने अपने पसंदीदा खिलाड़ी और टीम पर बोलियां लगा रहे थे। उस समय सीधा प्रसारण की सुविधा का लाभ व्यापारियों ने जम कर उठाया। इन्होंने 100 डॉलर जैसी ऊंची रकम में बीयर, चिकन और बड़े पर्दे पर मैच को दिखा कर खूब माल कमाया। यहां यह बताना बहुत जरूरी है कि इससे पहले के मैचों में इस तरह की ऊर्जा और उत्साह का नहीं दिखने का मूल कारण अमरीका में क्रिकेट की पहचान का फीका रहना रहा है।

अमरीकी फुटबॉल, बॉस्केटबॉल और बेसबॉल अमरीका के चोटी के खेल है। इनमें हाथ से खेले जाने वाला फुटबॉल अमरीकी स्पोर्ट्स फलक पर सबसे ज्यादा चमकता हुआ सितारा है। यह तीनों खेल यहां के सबसे पुराने खेल भी है। बावजूद इसके सन 1965 में अमरीका की क्रिकेट टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने एसोसियेट मेम्बरशिप प्रदान की थी। यही नहीं सन 1979 में अमरीकी क्रिकेट टीम ने आई सी सी ट्रॉफी टूर्नामेंट में शिरकत भी की थी।

कहा जाता रहा है कि अमरीकी किक्रेट पर बेसबॉल का ग्रहण था और है भी। विडम्बना रही कि इस तथाकथित ग्रहण के पहले 1840 में खेले गये अमरीका और कैनेडा के बीच हुये मैच को देखने के लिये लगभग 10000 क्रिकेट प्रेमियों की संख्या उमड़ पड़ी थी। अगर मौजूदा जनसंख्या को मद्देनजर रखें तो यह संख्या

लाखों की मानी जायेगी। 2004 तक अमरीका के क्रिकेट की दुनिया में कोई विशेष हलचल नहीं थी लेकिन ठीक उसी समय संयुक्त अरब अमीरात में हुये छह राष्ट्रों के बीच मैच में यू एस ए की टीम ने मैच जीत कर होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2004 के टूर्नामेंट में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

अमरीका के क्रिकेट का भाग्य तब चमकने लगा जब साठ व सत्तर के दशक में दक्षिण अमरीका और कैरेबियन देशों में राजनीतिक तानाशाही के चलते जनता का पलायन उत्तर की ओर कैनेडा और अमरीका की ओर हुआ। जमैका, त्रिनिदाद, ग्याना और सूरीनाम आदि देशों के विस्थापित लोगो की बड़ी तादाद उत्तर में आकर बस गयी। यह लोग कैरेबियन कल्चर के साथ साथ क्रिकेट का जोश और उमंग अपने साथ ले आये। न्यूयार्क में रह रहे जमैका के एक क्रिकेट प्रेमी डिलानो मानते है कि वे बाब मारले के गीतों की धुनों के साथ क्रिकेट की तहजीब और अनुशासन भी लाये हैं। इसी के चलते अमरीका में क्रिकेट ने अपने पांव जमाने शुरू किये। क्रिकेट ने यहां सामाजिक स्तर पर मल्टी कल्चर की हैसियत से अपनी पहचान की नींव डाली।

दुनिया के सबसे बड़े देश यू एस ए में जहां एक ओर विविध सांस्कृतिक, रंग रूप, भाषा और धर्म का अनोखा मेल है वहीं दूसरी ओर बेसबॉल श्वेत और बॉस्केटबॉल प्राथमिक तौर से अश्वेत अमरीकियों के द्वारा खेला जाने लगा था। हालांकि इसके सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक कारणों की चर्चा व्यापक और दीगर है। इस परिपेक्ष्य में क्रिकेट हमेशा एक मल्टीकल्चर एमेच्योर खेल बनकर नई रोशनी और आक्सीजन की तलाश में घुटता रहा। परंतु

आज अमरीका में 110 से भी अधिक क्रिकेट क्लब हैं और उनमें 25000 सक्रिय खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही साथ पचास से अधिक क्रिकेट लीग हैं । यह भी दिलचस्प है कि यहां सॉफ्टबॉल, टेनिस बॉल और हार्ड बॉल से भी क्रिकेट खेला जाता है। वर्तमान में यहां 600 से भी अधिक क्रिकेट के सक्रिय मैदान हैं।

अब दिन बदल चुके हैं। आज अमरीका में 110 से भी अधिक क्रिकेट क्लब हैं और उनमें 25000 सक्रिय खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही साथ पचास से अधिक क्रिकेट लीग हैं । यह भी दिलचस्प है कि यहां सॉफ्टबॉल, टेनिस बॉल और हार्ड बॉल से भी क्रिकेट खेला जाता है। वर्तमान में यहां 600 से भी अधिक क्रिकेट के सक्रिय मैदान हैं।

क्रिकेट की तरक्की और उसे व्यवसायिक बनाने के लिये जरूरी था इसे व्यवस्थित करना जिसके लिये सबसे पहले देश को आठ जोन में बांटा गया है। जिसका सबसे चर्चित जोन ईस्ट जोन है। यहां कैरेबियन, बांग्लादेशी, भारतीय और पाकिस्तान से सबसे अधिक क्रिकेट प्रेमी हैं। लेकिन कैरेबियन खिलाड़ी सब पर हावी हैं। दरअसल भारत, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के अभिभावक अपने बच्चों को सिद्धांत के तौर पढ़ाई की ओर धक्के देते हैं और क्रिकेट को बड़े पर्दे वाले टी वी स्क्रीन तक सीमित रखते हैं। आज सीनियर क्रिकेट टीम एक नैशनल कोच रोबिन सिंह , सहायक कोच नासिर जावेद को सौंपा गया है जबकि शोएब अहमद टीम मैनेजर है। अमरीका अपने प्रोफेशनल रवैया और उसे बनाये रखने के लिये उठाये जाने वाले तौर तरीकों और नियमों के लिये विश्व में जाना जाता है। फि ल्म, कला लेखन और खेल कोई भी विधा इस संत्रास से न गुजरे ऐसा संभव ही होता। क्रिकेट कोई अपवाद नहीं है। बल्कि उसे बेहद मेहनत और डिस्प्लीन के रास्ते से गुजरना पड़ेगा। अमरीका को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने 105 सदस्यता दी है। इसका सीधा मतलब है कि शीघ्र ही टीम को सशक्त सी ई ओ दिया जाये। अन्य खेलों की अपेक्षा इस खेल के सी ई ओ की तलाश अगर नामुमकिन नही तो बेहद मुश्किल जरूर है। इसको साकार करने के लिये सबसे पहले मैनेजमेंट ने दुनिया की सबसे बड़ी टैलेंट सर्च टीम क्रियेटीव आर्टिस्ट एजेंसी (सी ए ए) को नियुक्त किया है। क्रिकेट में पैसा जुटाना बेहद मुश्किल होने के बावजूद सी ए ए का बिल भरना कोई आसान निर्णय नहीं है। अमरीका में यह भी एक कड़वा सच है कि जब किसी भी प्रोडक्ट को प्रोफेशनल कसौटी पर खरा तौला जाता है तो उसके बाद ही उसे राजनीति के गलियारे में 'लॉबिइंग' के लिये उछाल दिया जाता है।

यू एस ए क्रिकेट बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य पराग मराठे का मानना है कि सी ए ए को काम सौंपने के बाद उन्हें दृढ़ विश्वास है कि एजेंसी दुनिया भर से काबलियत के आधार पर प्रतिभाओं का चयन करेगी। सी ए ए के अशर साइमन मानते है कि जो लक्ष्य हमें दिया गया है उसकी पूर्ति हम टैलेंट के इस नये मार्केट में सेंध लगा कर करेंगे आई सी सी यू एस ए ने क्रिकेट के नैशनल फेडेरेशन को खत्म कर दिया गया है। अब क्रिकेट एक सशक्त स्वतंत्र ऑटोनॉमी के तहत यहां अपना काम करेगी। ■

ला पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप 2019

विजेता टीम के लिए अंगद कलान ने 5 गोल किए

प्रसिद्ध जयपुर पोलो ग्राउंड स्कोरबोर्ड अब ला पेगासस पोलो स्कोरबोर्ड

भारत में पहली बार हाई-गोल पोलो टूर्नामेंट जो लाइव-स्ट्रीम किया गया

गरचा-अरावली टीम कांटे के संघर्ष में बनी चैंपियन

सहारा वारियर्स को फाइनल में 11-10 से हराया

सुधीर पंडित

नई दिल्ली के जयपुर पोलो ग्राउंड में खेले गए ला पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया पोलो चैम्पियनशिप 2019 के फाइनल में गरचा-अरावली ने रोमांचक खेल में सहारा वारियर्स को 11-10 से हराया। विजेता टीम के लिए अंगद कलान ने 5 गोल किए, जबकि ध्रुवपाल गोदारा ने भी 5 गोल किए। भारतीय सेना के क्वार्टर मास्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अशोक अम्ब्रे ने जयपुर पोलो ग्राउंड, नई दिल्ली में नए स्कोरबोर्ड का अनावरण किया, और ला पेगासस पोलो नॉर्दन इंडिया पोलो के अंतिम गेम के लिए औपचारिक थ्रो के साथ खेल शुरू किया। चैम्पियनशिप 2019, जो छह चक्कर पर खेली गई थी।

अंगद ने गरचा-अरावली के लिए स्कोरिंग खोली, लेकिन सहारा वारियर्स पहले चक्कर में मैथ्यू पेरी के माध्यम से बराबरी पर लौटे। दूसरे चक्कर ने देखा कि सहारा वारियर्स वंदित गोलेछा के माध्यम से बढ़त लेते हैं, जिसके बाद ध्रुवपाल गोदारा का एक और गोल सहारा के पक्ष में स्कोर लाइन 3-1 से ले गया। गरचा-अरावली दो बार वापस गोल करने के लिए अंगद और अर्जेण्टीनी मैनुअल लॉर्लेटे के माध्यम से गोल करने से मजबूत हुई। तीसरे चक्कर ने देखा कि सहारा वॉरियर्स ने फिर से मजबूत खेल खेला जिसमें

ध्रुवपाल गोदारा और मैथ्यू पेरी के गोल के जरिए दो गोल की बढ़त हासिल हुई। चक्कर के अंत में स्कोर लाइन सहारा वारियर्स के पक्ष में 5-3 पर थी।अंगद कलान ने गरचा-अरावली के लिए दो और गोल बनाए, इसके बाद मैनुअल लोरेंटे ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें चौथे चक्कर के अंत में स्कोर लाइन 6-5 हो गई।

पांचवें चक्कर में कर्नल रवि राठौर, वीएसएम, ने गरचा-अरावली का नेतृत्व किया, लेकिन चार गोल जल्दी जल्दी होने से पासा पलट गया। ध्रुवपाल और मैथ्यू के दो-दो गोलों ने स्कोर लाइन को 9-7 से सहारा के पक्ष में वापस पहुंचा दिया।

छठे चक्कर ने गरचा-अरावली को मजबूत करते हुए तीन गोल किए, जिसमें से एक-एक अंगद कलान, कर्नल रवि राठौर और मैनुअल लोरेंटे ने किया जिससे गरचा ने 10-9 से बढ़त ले ली, लेकिन ध्रुवपाल गोदारा ने सहारा के लिए फिर से गोल कर 10-10 के स्कोर पर मैच टाई किया। ऐसे में इस खेल को सातवें चक्कर तक ले जाया गया और मैनुअल लोरेंटे से आने वाले विजयी गोल गरचा-अरावली के लिए चैंपियनशिप ट्रॉफी को सील कर दिया।

दिन की शुरुआत ला पेगासस पोलो टाइटन्स और ला पेगासस पोलो नाइट्स के बीच एक प्रदर्शनी खेल के साथ हुई, जो 3-3 से टाई में समाप्त हुई। सिमरन शेरगिल ने पहले चक्कर में ला पेगासस पोलो टाइटन्स के लिए स्कोरिंग खोली, जिसके बाद दूसरे चक्कर में ला पेगासस पोलो नाइट्स की बराबरी की। टाइटन्स ने दूसरे चक्कर में दो और स्कोर करने के लिए कड़ी मेहनत की, टॉम ब्रॉडी और सिमरन शेरगिल के एक-एक गोल ने स्कोर लाइन को टाइटंस के पक्ष में 3-1 कर दिया।

दो गोल से पीछे रहने वाले शूरवीरों ने अपने वर्ग को तीसरे चुक्के में मितेश मेहता और चौथे चक्कर में संजय कपूर के गोल के जरिये 3-3 से बराबरी पर ला दिया। अंतिम दो चक्करने गोल रहितता समाप्त कर दी क्योंकि खेल अंत में 3-3 की बराबरी पर छूट गया। ■

'फिटनेस गली गली' में अपना हुनर दिखाएंगे आम लोग

डॉ. शितांशु शेखर शर्मा
(आयुर्वेद एवं योग विशेषज्ञ)

समाज के कुछ लोग जो खेल, जिम और फिटनेस के क्षेत्र से जुड़ हुए कुछ प्रबुद्ध लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अपने लंबे अनुभव के आधार पर लोगों में फिटनेस के प्रति जागृति फैलाने के लिए 'खेल टुडे' पत्रिका के साथ मिलकर 'फिटनेस गली गली' नाम से एक संस्था का गठन कर एक अभियान की शुरुआत करने की ठानी है। इसके तहत जून-जुलाई में एक प्रतियोगिता कराई जा रही है जिसमें आठ वर्ष की उम्र से लेकर साठ से अधिक वर्ष की आयु का कोई भी पुरुष या महिला जो घर में, पार्क में, जिम में जहां कहीं भी थोड़ी बहुत कसरत करते हैं वे इसमें भाग ले सकते हैं। हम यह नहीं चाहते कि फिटनेस, प्रतियोगिता और इनाम खिलाड़ियों तक ही सीमित रहें। हमारी चाहत है कि आम लोग भी प्रतियोगिता में उतरकर अपना हुनर दिखाएं और अपने भाई बहनों, बच्चों और पोते पोतियों के साथ मुकाबला कर चैंपियन बनें।

संपूर्ण विश्व में हमारा देश कृषि प्रधान और ऋषि प्रधान रहा है। यह अपने देश का गौरव था कि वह जगद्गुरु बनकर पूरे संसार का मार्गदर्शन करता रहा। हमारे ऋषि महात्माओं ने भले ही मानव देह को क्षणभंगुर कहा किंतु उत्तम स्वास्थ्य को कभी नकारा भी नहीं। वह भली भांति जानते थे कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही सारे कार्यों को सुचारू रूप से सम्पादित कर सकता है। महाकवि कालीदास जी ने अपने सूत्र में कहा, 'शरीर माद्यं खलु धर्म साधनं' आप चाहे विद्यार्थी हों, नौकरी करते हों या व्यापार करते हों। एक खिलाड़ी, गायक, अभिनेता अथवा कुछ और हों, सफलता प्राप्त करने के लिए उत्तम स्वास्थ्य का होना जरूरी है। सुप्रसिद्ध कवि शैले दिन रात अध्ययन, लेखन में व्यस्त रहे औरअपने स्वास्थ्य की अवहेलना कर दी। अंत में उन्हें लिखना पड़ा कि 'एलास ! आई हेव लॉस्ट माई हेल्थ'। हम सभी जानते हैं कि जान है तो जहान है। प्राचीन लोकोक्ति रही है कि 'पहला सुख निरोगी काया, दूसरा सुख अण्टी में माया'। बात बिलकुल सही है कि यहां पर निरोगी काया को प्रधानता पहले दी गई है। कल्पना करो कि आपके पास अथाह पैसा है लेकिन स्वास्थ्य चौपट है तो लाख कोशिश करने के बाद भी न तो आप बढ़िया भोजन कर सकते हैं और न ही मनोरंजन, आमोद-प्रमोद कर सकते हो क्योंकि आपका पूरा ध्यान तो अपने रोगों की तरफ ही लगा हुआ होगा।

इस संसार में प्रत्येक क्षेत्र में विभिन्नताएं देखने को मिलती हैं। जैसे गर्मी व सर्दी, सुख-दुःख, अमीर-गरीब, ज्ञानी-अपनपढ़, आशा-निराशा। यह सब होते हुए भी प्रकृति ने एक चीज सभी को समान रूप से दी है और वह है -समय। हम देखते हैं कि अस्पतालों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों में असंख्य लोग जाते हैं और उनको वहां ले जाने वाले परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और मित्र होते हैं। एक रोग को दूर करने के लिए इन सभी के जीवन का महत्वपूर्ण भाग वह समय है जो नष्ट हो जाता है। यदि हम अपने स्वास्थ्य की देखभाल सही ढंग से करते रहें तो अपना और दूसरा का बहुमूल्य समय नष्ट होने से बचाया जा सकता है। इस संचित समय को हम अच्छे कार्यों में लगा सकते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के महत्वपूर्ण संदेशों में से एक था, 'स्ट्रेन्थ ही लाइफ, विकनेस इज डेथ' अर्थात ताकत जिंदगी है और कमजोरी मृत्यु। उन्होंने हमेशा से ही भारतवासियों को बलवान होने के लिए प्रेरित किया। वह जानते थे कि जब तक हमारे देश के नागरिक शारीरिक एवं मानसिक दुर्बलता से घिरे रहेंगे उनके भीतर साहस, उत्साह और आशावादी विचारों का संचार नहीं होगा और ये जीवन पर्यन्त परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़े रहेंगे। चन्द्रशेखर आजाद ने स्वयं युवाओं का एक संगठन बना रखा था और यह नित्यप्रति एक स्थान पर एकत्रित होकर अपने देहबल

FITNESS GALI GALI
फिटनेस गली गली
Spread True Fitness

SHIV-NARESH
A Quality Sports Wear

विकसित करने के लिए कसरत किया करते थे। वे सभी भलीभांति जानते थे कि उन्हें अंग्रेजों के विरूद्ध बगावत करनी है और पुलिस वालों से भी बचकर इधर उधर भागना है तो शारीरिक स्वस्थ्य का उत्तम होना अत्यंत आवश्यक है। प्राचीन समय से शरीर को फिट रखने के लिए लोग अखाड़े में जाकर कुश्ती किया करते थे। इसके लिए खूब कसरत करते थे। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में देश में जगह-जगह जिम खुल गए और आधुनिक युग में हमारे नवयुवक और युवतियां खुद को फिट रखने और आकर्षित ढांचे में ढली देह पाने के लिए बड़ी संख्या में जिम जाते हैं। जिम जाने वाला युवा वर्ग जोश में होता है किन्तु होश खो बैठता है। उन्हें तुरंत परिणाम पाने की आतुरता लगी रहती है। इसी बात का फायदा कुछ कंपनियों ने उठाना शुरू किया और युवाओं के लिए पॉउडर पौष्टिकता के नाम पर अन्य औषधियों को निकालना शुरू किया और युवओं के स्वस्थ्य के साथ खिलवाड़ का नया अध्याय शुरू हुआ।

शरीर विज्ञान के अनुसार देह में एकाएक आने वाले परिवर्तन हारमोन्स का असन्तुलन एवं अन्तःस्त्रावी ग्रन्थियों में उत्पन्न होने वाले रसायनों में परिवर्तन हानिकारक होते हैं। दीर्घकाल तक निश्चित समय पर की गई कसरत ही हमें सुगठित देह प्रदान करती है एवं स्थायी आरोग्य की प्राप्ति कराती है।

पूरे विश्व में 165 से अधिक चिकित्सा प्रणाली हैं किन्तु इन सभी ने आयुर्वेद, योग एवं आहार चिकित्सा अत्यंत कारगर सिद्ध होते हैं। आज समूचा विश्व योग के महत्व को मानने लगा है और हर वर्ष 21 जून का दिन पूरी दुनिया में विश्व योग दिवस के रूप में मानाया जाता है।

इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए समाज के कुछ लोग जो खेल, जिम और फिटनेस के क्षेत्र से जुड़ हुए कुछ प्रबुद्ध लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अपने लंबे अनुभव के आधार पर लोगों में फिटनेस के प्रति जागृति फैलाने के लिए 'खेल टुडे' पत्रिका के साथ मिलकर 'फिटनेस गली गली' नाम से एक संस्था का गठन कर एक अभियान की शुरुआत करने की ठानी है। इसके तहत जून-जुलाई में एक प्रतियोगिता कराई जा रही है जिसमें आठ वर्ष की उम्र से लेकर साठ से अधिक वर्ष की आयु का कोई भी पुरुष या महिला जो घर में, पार्क में, जिम में जहां कहीं भी थोड़ी बहुत कसरत करते हैं वे इसमें भाग ले सकते हैं। हम यह नहीं चाहते कि फिटनेस, प्रतियोगिता और इनाम खिलाड़ियों तक ही सीमित रहें। हमारी चाहत है कि आम लोग भी प्रतियोगिता में उतरकर अपना हुनर दिखाएं और अपने भाई बहनों, बच्चों और पोते पोतियों के साथ मुकाबला कर चैंपियन बनें।

इस प्रतियोगिता के लिए प्रायोजक मिलने भी शुरू हो गए हैं। सबसे पहले खेल पोशाक बनाने में अग्रणी शिव-नरेश कपंनी बतौर प्रायोजक जुड़ गई है। इसके अलावा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भी प्रायोजन के प्रति अपनी इच्छा जताई है।

इस प्रतियोगिता के बारे में इच्छुक व्यक्ति किसी भी तरह की जानकारी के लिए फोन नंबर 9971915560 पर कॉल कर सकते हैं या fitnessgaligali@gmail.com पर ईमेल कर संपर्क कर सकते हैं। आप हमारी वेबसाइट www.fitnessgaligali.com पर भी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ■

दिल्ली कैपिटल्स और जेबीएल ने मिलाया हाथ

खेल टुडे ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग की टीम दिल्ली कैपिटल्स ने लीग के 12वें सीजन के लिए ऑडियो ब्रांड 'जेबीएल' को अपना आधिकारिक प्रायोजक बनाया। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी हर्मन के ऑडियो ब्रांड 'जेबीएल' और दिल्ली कैपिटल्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की।

इस दौरान दिल्ली कैपिटल्स और जेबीएल सनशाइनर्स के बीच हुए एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया। मैच में शिखर धवन, ऋषभ पंत और टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सहित दिल्ली कैपिटल्स के कई खिलाड़ियों ने युवा जेबीएल सनशाइनर्स टीम के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला। इस मौके पर दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ धीरज मल्होत्रा ने कहा, 'अपने असाधारण प्रदर्शन और भारतीय उपभोक्ताओं को खुशी देने के लिए मशहूर ब्रांड से जेबीएल के साथ जुड़ाव को लेकर टीम रोमांचित है। टीम को ऊर्जा से भर देने के लिए केएमएमसी के इन अद्भुत और प्रतिभाशाली युवा संगीतकारों के साथ बातचीत की तुलना में हमें कोई और बेहतर तरीका नहीं मिल सकता था।'

हर्मन इंडिया में लाइफस्टाइल ऑडियो के उपाध्यक्ष सुमित चौहान ने कहा, 'जेबीएल आईपीएल लीग के इस सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स के साथ साझेदारी को लेकर रोमांचित है। हम संगीत, खेल और संस्कृति के संगम के लिए सक्रिय हैं और इस जुड़ाव के जरिए हम अपने प्रशंसकों को खुश कर सकेंगे। इस आयोजन का हिस्सा बनना हमारे लिए सम्मान की बात है। ■

गोल्फ पर्यटन से 100 करोड़ कमाने का लक्ष्य

अशोक किंकर

इंडियन गोल्फ एंड टर्फ एक्सपो 2019

गोल्फ को कभी बूढ़े और रिटायर लोगों का खेल माना जाता था। पिछले दो दशक के दौरान भारत के अनेक गोल्फरों ने जूनियर और सीनियर स्तर पर दुनिया भर में नाम बनाया और इस कहावत को गलत साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। गोल्फ के लिए भारत एक बड़ा बाजार है और इसी को ध्यान में रखते हुए दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा गोल्फ उद्योग व्यापार शो 26-27 अप्रैल तक नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित हुआ।

पीटर वाल्टन, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी,आई.ए.जी.टी.ओ - ग्लोबल गोल्फ पर्यटन संगठन, ब्रूस मैकफे, सीनियर एग्रोनोमिस्ट और माइक ऑरलॉफ, प्रबंध निदेशक, गोल्फ इंडस्ट्री सेंट्रल, 500 डेलिगेट्स में से वैश्विक गोल्फ उद्योग की कुछ प्रमुख हस्तियां हैं, जो 8वें भारतीय गोल्फ और टर्फ एक्सपो (आई.जी.टी.ई) 2019 में भाग लेने आईं। आई.जी. टी.ई राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल के सातवें संस्करण के बाद बेंगलुरु में आयोजित किया गया था।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सुमन बिल्ला (आईएएस) ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन पर स्पष्ट कहा, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने लंबे समय से गोल्फ को एक संभावित पर्यटन बूस्टर के रूप में बढ़ाया है और देश में खेल को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए अधिक सार्वजनिक सेवा विकसित करने सहित कई उपाय किए गए हैं। इस साल के आई.जी.टी.ई में टर्फ भी शामिल है, यह सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि देश में सबसे अच्छा बुनियादी ढांचा उपलब्ध है, न केवल गोल्फ की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए, बल्कि अन्य खेल जैसे फुटबॉल, क्रिकेट, पोलो और अन्य जहां गुणवत्ता टर्फ महत्वपूर्ण मानकों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आई.जी.टी.ईको सफल बनाने में सभी भागीदारों का धन्यवाद करता हूं और 2019 संस्करण के लिए तत्पर हूं।

एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता ऋषि नारायण ने यह भी कहा कि गोल्फ इंडस्ट्री एसोसिएशन ने गोल्फ पर्यटन के माध्यम से अगले पांच वर्षों में 100 करोड़ का राजस्व उत्पन्न करने का लक्ष्य रखा है।

आई.जी.टी.ई2019 में लगभग 50 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शक अपने उत्पादों को सम्मेलनों के साथ-साथ प्रख्यात वक्ताओं, गोल्फ सिमुलेटरों से गोल्फ कौशल, पुट और गोल्फ प्रतियोगिताओं, नेटवर्किंग लंच, शाम कॉकटेल और गाला डिनर में प्रदर्शित किया। देश भर के लगभग 37 गोल्फ क्लबों ने भी अपनी भागीदारी की।

गोल्फ इंडस्ट्री एसोसिएशन (जी.आई.ए) की अध्यक्ष श्रीमती दीपाली शाह गांधी, आईजीई के प्रमोटर भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने कहा, जी.आई.ए की ओर से, मैं श्री सुमन बिल्ला और उनके माध्यम से मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहता हूं पर्यटन, भारत सरकार, आईजीटीईके लिए उनके निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए, जो अब देश में संपूर्ण गोल्फ पारिस्थिति तंत्र के लिए एक अनिवार्य उपस्थिति बन गया है। आईजीई खेल के सभी प्रमुख साझेदारों और योगदानकर्ताओंको एक साथ लाता है, जिनके अथक प्रयासों ने अनिर्बान लाहिड़ी, गगनजीत भुल्लर और शुभंकर शर्मा जैसे सितारों को कुछ नाम दिया है, अपने लिए एक नाम बनाया है। जीआईए आईजीई 2019 में सभी प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों का दिल से स्वागत करता है और उम्मीद करता है कि एक्सपो में उनके पास एक सार्थक समय होगा।

आई.जी.टी.ई2019 में प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य प्रमुख गोल्फ उद्योग निकायों में भारतीय गोल्फ संघ (आई. जी .यू .आई), महिला गोल्फ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यू .जी. ए.आई) और गोल्फ कोर्स के अधीक्षक और प्रबंधक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जी.सी.एस. एम.ए.आई) शामिल थे। कार्यक्रम इन्क्रेडिबल इंडिया द्वारा समर्थित था।

भारत में देश में 240 से अधिक गोल्फ कोर्स हैं और लगभग 150,000 व्यक्ति आयु वर्ग में खेल खेलते हैं। पिछले पांच वर्षों में, भारत ने 5000 करोड़ से अधिक निवेश आकर्षित किया है। ■

'जेके टायर महिला रैली टू द वैली'

दीपा दामोदरन ने खिताब बचाया

महिलाओं ने सैनिकों की पोशाक पहन शिरकत की

खेल टुडे ब्यूरो

अनुभवी महिला चालक दीपा दामोदरन ने अपनी टीएसडी क्वीन की ख्याति का अनुसार प्रदर्शन करते हुए मुंबई में 'जेके टायर महिला रैली टू द वैली' का खिताब अपने नाम कर लिया है। उनकी नैवीगेटर प्रियंका विदेश ने उनकी अच्छी मदद की। दीपा ने तीन पेनाल्टी अंक बचाए और खिताब अपने नाम कर 1,00,000 रु का नगद पुरस्कार भी अपनी जेब में डाला।

कार रैली के शुरू होने से पहले ही इसने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए थे और विश्व कप में महिलाओं द्वारा महिलाओं की सबसे बड़ी रैलियों में से एक बन गई थी।

इस इवेंट की रूपरेखा, रणनीति सभी महिलाओं ने तैयार की है। इस रैली में 600 महिलाओं ने हिस्सा लिया। साथ ही रैली में 130 कारों का इस्तेमाल किया गया था।

रैली की शुरुआत मुंबई के वार्ली से हुई इसके बाद रैली ने शहर के कई अहम स्थानों को पार किया जिसमें सेंचुरी बाजार, सिद्दी विनायक मंदिर, शिवाजी पार्क, दादर प्लाजा, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और वाशी से होते हुए एम्बे वैली पहुंचीं।

प्रद्न्या चावारकर (पारुल शाह के साथ) और विनिशा सावंत (अयोश्मिता बिस्बास) ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इन दोनों के हिस्से क्रमशः पांच और छह पेनाल्टी अंक आए।

जेके मोटर स्पोर्टस के अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, 'मोटर स्पोर्ट्स में जो लोग शामिल हैं उनके लिए महिलाओं को इसमें देखना और इस शो को आयोजित कराते देखना गर्व की बात है। उन सभी को और विजेताओं को बधाई।'

रैली टू द वैली के लिए 600 से अधिक महिलाओं ने अपनी कारों को सजाया। कारों की संख्या 130 थी और फिर आयोजन के हिसाब से खुद के लिबास तय किए और उत्साहपूर्वक आयोजन स्थल पर पहुंचे।हर साल की तरह इस साल भी महिलाओं ने अपनी तरह से इस रैली का जश्न मनाया लेकिन इस साल का थीम देशभक्ति था और इस कारण सभी देशभक्ति से ओतप्रोत नजर आईं। इसी को देखते हुए कई महिलाओं ने सैनिकों की पोशाक पहनी और देश के समर्थन में नारों के साथ रैली में शिरकत की।

चार महिलाओं की टीम-एअर फोर्स पायलट की पोशाक में नजर आईं। इन सबके के लिए सबसे अधिक तालियां बजीं जबकि कुछ ने अपनी कारों को सैन्य वाहनों का रूप देकर लोगों की वाहवाही बटोरी। ■

परिणाम :

1. दीपा दामोदरन और प्रियंका विदेश
2. प्रज्ञा चावरकर और पारुल शाह
3. विनीशा सावंत और आयुष्मिता बिस्वास

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता

श्रद्धानंद कॉलेज की बादशाहत बरकरार

खेल टुडे ब्यूरो

श्रद्धानंद कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय की क्रिकेट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी हुई है। यह कॉलेज पिछल पांच वर्षों से लगातार अंतर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में चैंपियन बनता आ रहा है। इस कॉलेज ने क्रिकेट में हिंदू, सेंट स्टीफंस, डीएवी, खालसा और किरोड़ी मल कॉलेज के वर्चस्व को तोड़ा है।

हिंदू कालेज को हराकर दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता जीत ली।

श्रद्धानंद कॉलेज ने लगातार छह मैच जीतकर एक रिकार्ड बनाया। फाइनल मुकाबले में हिंदू कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 35 ओवर में 8 विकेट पर 201 रनों का स्कोर बनाया। प्रगम शर्मा ने 49, अभिषेक गोस्वामी ने 25 और सम्यक जैन ने नाबाद 24 रनों का योगदान दिया, यशजीत बलहारा ने 44 रन देकर 3, रमेश प्रसाद ने 39 रन देकर 2 और सुमित माथुर ने 38 रन देकर 2 विकेट लिए। श्रद्धानंद कालेज ने 202 रनों का लक्ष्य 31.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल करलिया, हिमांशु राना ने 51, हितेश शर्मा ने 52 और सुमित माथुर ने 48 रनों की पारी खेली, आमिर ने 42 रन देकर 3 और आयुष ने 33 रन देकर 2 विकेट लिए। सुमित माथुर मैन ऑफ द मैच बने।

इस सत्र में 40 टीमों ने शिरकत की। टूर्नामेंट 4 से 24 फरवरी तक नॉकआउट व लीग आधार पर खेला गया। मैच 50-50 ओवर के खेले गए।

सर्दी के मौसम में मैच शुरू होने का समय सुबह 9 बजे से शाम 4.45 बजे तक रखा गया था। इसमें ज्यादातर मैच ओस के कारण सुबह समय पर शुरू नहीं हो सके। अनेक कॉलेजों में पिच और मैदान की स्थिति बहुत खराब रही। भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने अंपायरिंग के स्तर पर भी चिंता जताई। दिल्ली विश्वविद्यालय का खेल विभाग इस तरफ ध्यान दे तो क्रिकेट का स्तर और बेहतर हो सकता है। ■

फाइनल मैच का संक्षिप्त स्कोर

हिंदू कॉलेजः 35 ओवर में 8 विकेट पर 201 (प्रगम शर्मा 49, अभिषेक गोस्वामी 25, सम्यक जैन 24 नाबाद, यशजीत बलहारा 3/44, रमेश प्रसाद 2/39, सुमित माथुर 2/38)।

श्रद्धानंद कालेजः 31.3 ओवर में 5 विकेट पर 202 (ओवर, हिमांशु राना 51, हितेश शर्मा 52, सुमित माथुर 48, आमिर 3/42, आयुष 2/33)।

श्याम लाल कॉलेज के खिलाड़ी सम्मानित

खेल टुडे ब्यूरो

श्याम लाल कॉलेज के वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर और मुख्य अतिथि दिल्ली यूनिवर्सटी के डारेक्टर स्पोर्ट्स डॉ. अनिल कलकल ने पुरस्कार दिए।

दिल्ली विश्व विद्यालय अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं में श्याम लाल कॉलेज की पुरुष हॉकी टीम ने लगातार पांचवें वर्ष चैंपियन होने का गौरव पाया। इस वर्ष कॉलेज ने 8वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जिसमें पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की टीम चैंपियन बनी। श्याम लाल कॉलेज की टीम उपविजेता रही। इस टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग में आठ और महिला वर्ग में पांच टीमों ने भाग लिया।

कॉलेज के अस्सिटेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी ने बताया कि श्याम लाल कॉलेज की पुरुष कबड्डी टीम ने पहली बार अंतर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब जीत कर इतिहास बनाया। यही कबड्डी टीम दिल्ली ओलंपिक के तहत आयोजित चैंपियनशिप में उपविजेता रही। साफ्टबॉल की टीम ने अंतर कॉलेज प्रतियोगिता में तीसरा स्थान पाया। नेटबॉल की टीम ने भी अंतर कॉलेज प्रतियोगिता में तीसरा स्थान पाया।

श्याम लाल कॉलेज की कबड्डी टीम कोच योगेन्द्र कुमार और अस्सिटेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी के साथ।

कॉलेज के छात्र सचिन मलिक ने मकाओ में हुई जूनियर एशियन जूडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। सचिन ने लेबनान में हुई जूनियर एशियन जूडो चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व भी किया। सचिन ने खेलो इंडिया की जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

ऑल इंडिया इंटर वर्सटी स्तर पर दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक डाइविंग प्रतियोगिता में जीते। यूनिवर्सटी और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक खिलाड़ियों ने शिरकत की।

इनमें हॉकी में दस खिलाड़ियों ने यूनिवर्सटी स्तर पर और पांच खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। कबड्डी में पांच खिलाड़ियों ने यूनिवर्सटी स्तर पर और एक खिलाड़ी ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। बेसबॉल में दो खिलाड़ियों ने यूनिवर्सटी स्तर पर और तीन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। साफ्टबॉल में दो खिलाड़ियों ने यूनिवर्सटी स्तर पर और चार खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। जूडो में एक खिलाड़ी ने यूनिवर्सटी और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय स्तर पर जूडो में दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक आए। राष्ट्रीय स्तर पर डाइविंग में चार स्वर्ण और दो कांस्य पदक आए। राष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स में दो कांस्य पदक आए। ■

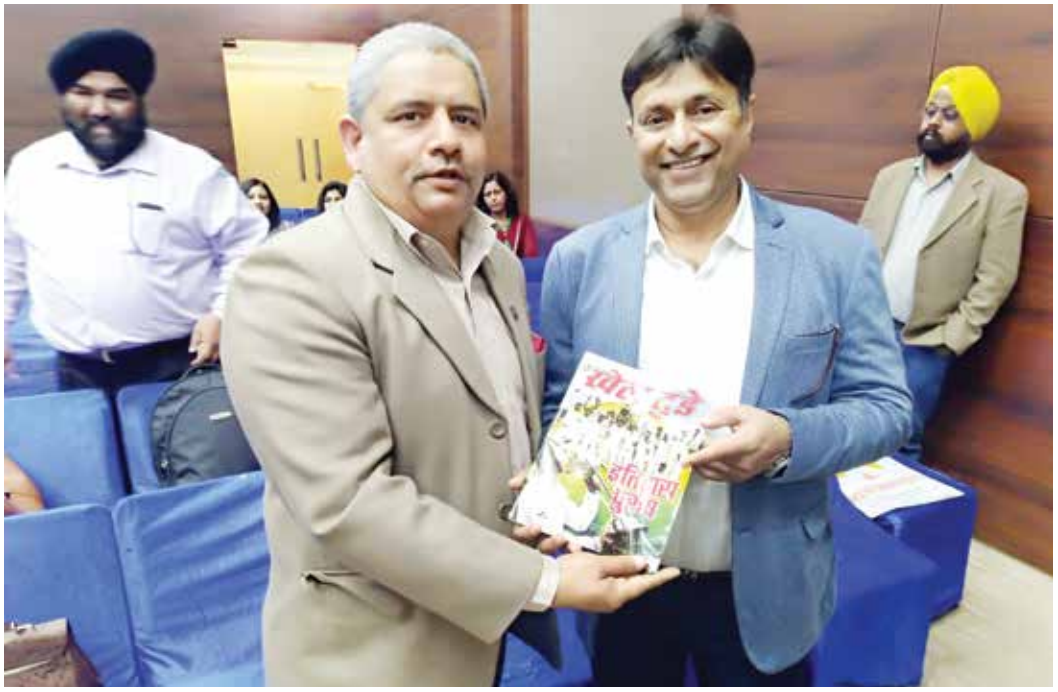

देश की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के बचपन के कोच संदीप गुप्ता को 'खेल टुडे' भेंट करते हुए पत्रिका के संपादक राकेश थपलियाल।

पहल चेरिटेबल ट्रस्ट ह्यूमैनिटी के फाउंडर व चेयरमैन जोगिंदर सिंह सलारिया नई दिल्ली में 'बेटी खेलाओ देश जिताओ आई एम द पॉवर' कार्यक्रम के दौरान 'खेल टुडे' के साथ।

दिल्ली में द्वारका निवासी सौरव व नीतू का बेटा डेढ़ वर्ष का वीरांश 'खेल टुडे' के साथ खेलते हुए ।

होंडा के निदेशक हरभजन सिंह को 'खेल टुडे' भेंट करते हुए संपादक राकेश थपलियाल।

सिने तारिका मंदिर बेदी को 'खेल टुडे' भेंट करते हुए राकेश थपलियाल।

समाजसेवी जे पी ढौंडियाल को 'खेल टुडे' भेंट करते हुए पत्रिका के संपादक राकेश थपलियाल। ।

RNI No. : DELHIN/2016/67585

Fitness is not a destination

It is a way of life...

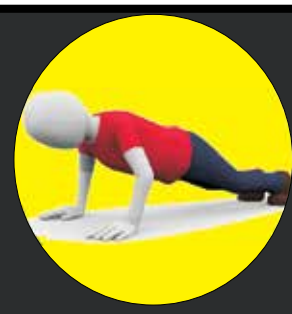

FITNESS GALI GALI
फिटनेस गली गली
Spread True Fitness

खेल टुडे

PRESENTS

A Mega Fitness Awareness Event

SHIV-NARESH
A Quality Sports Wear

FITNESS GALI GALI

Spread True Fitness

Your Fitness Challenges

- Pushups
- Pullups
- Bardips
- Free Squats
- Bench Press
- Rope Skipping

Push Your Strength And Endurance To Win Many Exciting Prizes In Every Age Category.

9971915560
fitnessgaligali@gmail.com
fitnessgaligali.com

Winner
Gold Coin

Runnerup
Silver Coin

President- Dr. Sheetanshu Shekhar Sharma
Gen. Secretary - Rakesh Thapliyal

EVERYONE CAN PARTICIPATE AND BECOME A FITNESS ICON